संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, मंगलवार, 10 सितंबर 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 15 अंकः 251 पृष्ठः 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

इंडियन ओवरसीज टेक्सास कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कई कार्यक्रमों में अपनी बात रखीं।

भारत में सबकुछ मेड इन चाइना: राहुल

● इसलिए भारत में रोजगार की दिक्कत: राहुल गांधी; पित्रोदा ने कहा- राहुल के पास विजन, वो पप्पू नहीं

खरी-खरी

राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं : सैम

टीम एक्शन इंडिया
टेक्सास/नई दिल्ली
टेक्सास कार्यक्रम में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा, "राहुल गांधी पप्पू नहीं है, वे पढ़े-लिखे हैं और किसी भी मुद्दे पर गहरी सोच रखने वाले स्ट्रैटजिस्ट हैं।" यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास में हुए कार्यक्रम में राहुल गांधी के साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा भी पहुंचे। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता के तौर पर जिम्मेदारी, भारत के आर्थिक हालात, रोजगार समेत 6 मुद्दों पर अपनी राय रखी।

विपक्ष में अपने रोल पर...मेरा काम राजनीति में प्रेम लाना

मेरा रोल संसद में सरकार के खिलाफ बोलना और उन्हें तानाशाह बनने से रोकने तक सीमित नहीं है। मुझे लगता है कि मेरा रोल भारत की राजनीति में प्यार, सम्मान और विनम्रता लाना है। प्यार और सम्मान सिर्फ ताकतवर लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन सबके लिए जो देश को बनाने में जुटे हैं। अमेरिका की तरह भारत में भी कोई राज्य दूसरे से सुपीरियर (ताकतवर) नहीं है। कोई धर्म, भाषा किसी दूसरी भाषा से सुपीरियर नहीं है। लोगों के विचारों को उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या फिर इतिहास की परवाह किए बिना जगह दी जानी चाहिए। संघ को लगता है भारत एक विचार पर बना है। हमें लगता है कि भारत कई विचारों से मिलकर बना है। चुनाव में लाखों को लगा कि प्रधानमंत्री संविधान पर हमला कर रहे हैं। इसलिए चुनाव के वक्त जब मैंने संविधान हाथ में उठाया तो लोग समझ गए कि बीजेपी हमारी परंपरा, भाषा, राज्यों और हमारे इतिहास पर हमला कर रही है। मैंने संसद में अपने पहले भाषण में अभय मुद्रा का जिक्र किया। बीजेपी को यह बर्दाश्त नहीं हुआ। वे इसे समझ नहीं पाए, लेकिन हम इसे समझाकर रहेंगे चुनाव के बाद लोगों में बीजेपी का डर खत्म हो गया।

संसद में अच्छे से सुनकर और समझकर जवाब देना होता है। वहां जंग जैसी स्थिति होती है। लड़ना पड़ता है। कभी जंग मजेदार होती है तो कभी सीरियस हो जाती है। यह शब्दों की जंग होती है। पार्लियामेंट में अलग-अलग नेता आते हैं। बिजनेसमैन भी आते हैं। सभी पक्षों को सुनना होता है।

भारत की राजनीति पर...बोलने से ज्यादा जरूरी सुनना

भारतीय राजनीति में सुनना, बोलने से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुनने का मतलब है खुद को दूसरे की जगह पर रखना। अगर कोई किसान मुझसे बात करता है तो मैं खुद को उनके रोजमर्रा के जीवन में शामिल करने की कोशिश करूंगा और समझूंगा कि वे क्या कहना चाह रहे हैं। सुनना बुनियादी बात होती है। इसके बाद किसी मुद्दे को गहराई से समझना होता है।

नई तकनीक नई नौकरियां लाती है: राहुल

जब भी नई टेक्नोलॉजी आती है तो ऐसा लगता है कि नौकरियां चली जाएंगी। रेडियो आया तब भी ऐसी ही चर्चा हुई। कैलकुलेटर आया, तब भी ऐसी चर्चा हुई। आईटी सेक्टर के समय भी यही कहा गया, लेकिन नई टेक्नोलॉजी से नौकरियां ट्रांसफॉर्म होती हैं। किसी की नौकरी जाती है तो किसी को नौकरी मिलती है। आज कम्प्यूटर ने कई नौकरियां बनाई हैं। भारत की पॉपुलेशन और एजुकेशन पर...स्किल वालों को इज्जत नहीं मिलती कुछ लोग कहते हैं कि देश में स्किल की समस्या है। मेरे ख्याल से यहां स्किल की नहीं, बल्कि स्किल वालों को जो कम इज्जत मिलती है, वह समस्या है। इसके अलावा हमारे देश में एजुकेशन सिस्टम भी बिजनेस सिस्टम से मेल नहीं खाता।

लोगों तक पहुंचना था इसलिए पैदल चला: सांसद राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि भारत में कम्युनिकेशन के चैनल बंद हो गए थे। लोकसभा में बोलते थे तो वह टेलीविजन पर नहीं चलता था। मीडिया वह नहीं चलाता था, जो हम कहते थे। सब कुछ बंद था। लंबे समय तक हमें समझ नहीं आ रहा था कि जनता से कैसे बात करें। फिर हमने सोचा कि मीडिया हमें लोगों तक नहीं ले जा रहा था तो डायरेक्ट चले जाओ। इसलिए हमने यह यात्रा की। शुरूआत में मुझे घुटनों में दिक्कत हुई। मैंने सोचा यात्रा करने का मैंने यह कैसा फैसला ले लिया, लेकिन कुछ दिनों बाद यह आसान लगने लगा। इस यात्रा ने मेरे राजनीति करने का तरीका बदला। लोगों से बातचीत करने उन्हें समझने का तरीका बदला। पॉलिटिक्स में मोहब्बत नहीं होती थी। हमने यात्रा करके दिखाया कि पॉलिटिक्स में प्यार और मोहब्बत की बातें हो सकती हैं। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वाला स्लोगन भी मेरा नहीं। यात्रा के दौरान एक शख्स मेरे पास आया। उसने मुझसे बोला- मैं जानता हूं आप क्या कर रहे हो। मैंने पूछा क्या कर रहा हूं? तो वह बोला- आप नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोल रहे हो। एक महिला मेरे पास आई। उन्होंने मेरा हाथ पकड़ा। मैंने पूछा क्या हुआ? उन्होंने कहा कि मुझे मेरा पति मार रहा था।

आदर्श विचार

"कोई भी अपने कर्म से भाग नहीं सकता, कर्म का फल तो भुगतना ही पड़ता हैं। - भगवत गीता"

मन की बात

"सब कुछ खोने से ज्यादा बुरा उस उम्मीद को खो देना जिसके भरोसे हम सब कुछ वापस पा सकते हैं।
-स्वामी विवेकानंद"

रसद क्षमता में विशेषज्ञता के लिए सेना-वायु सेना को मिलेगा प्रशिक्षण

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: भारतीय सेना और वायु सेना को रसद क्षमता में उच्च विशेषज्ञता हासिल करने के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। इसके लिए नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी में सोमवार को वडोदरा के गति शक्ति विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता हुआ है। रक्षा मंत्री ने इस एमओयू को रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' के दृष्टिकोण के अनुरूप सशस्त्र बलों की रसद रीढ़ को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साझेदारी बताया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कुशल रसद प्रणाली सशस्त्र बलों को तेजी से जुटाने और कम समय में सही जगह पर संसाधन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हमारी सेनाएं जिन विपरीत परिस्थितियों में काम करती हैं, उन्हें ध्यान में रखते हुए सैनिकों और उनके उपकरणों की आपूर्ति में निर्बाध आवाजाही की आवश्यकता है।

काम पर लौट जाएं रेजिडेंट डॉक्टर : सुप्रीम कोर्ट

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में रेप और हत्या के मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि कल यानि 10 सितंबर शाम 5 बजे से पहले सभी रेजिडेंट डॉक्टर काम पर लौटें, नहीं तो अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहें। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि डॉक्टरों को एहसास होना चाहिए कि उनका काम सेवा का है। हम सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें पूरी तरह सुरक्षा काम का उचित माहौल और सुविधाएं मिलें लेकिन उन्हें काम पर लौटना ही होगा। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को 17 सितंबर तक ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया है कि सरकार डॉक्टरों में असुरक्षा की भावना को कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए। सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि डॉक्टरों की हड़ताल की वजह से अब तक 23 मरीजों की मौत हो चुकी है। पश्चिम बंगाल सरकार ने कोर्ट को बताया कि डॉक्टर अभी भी हड़ताल पर हैं।

आदेश

काम पर लौटे डॉक्टर, सीबीआई को 17 सितंबर तक ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

हरियाणा में आप-कांग्रेस की नहीं बनी बात

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (आआपा) ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। हरियाणा में अभी तक कांग्रेस और आआपा के बीच गठबंधन की बात चल रही थी। आआपा की ओर से सूची जारी करने का अर्थ है कि राज्य में दोनों पार्टियां अपने दम पर बिना गठबंधन के चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस पार्टी आलाकमान इंडिया गठबंधन में सहयोगी आम आदमी पार्टी को साथ लेकर चलने के पक्ष में था।

मजबूत होंगे भारत-यूएई के रिश्ते

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच सोमवार को वार्ता हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूएई के बीच नए और उभरते क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने के लिए बहुआयामी संबंधों और रास्तों पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने आपसी मुद्दों पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का कार्यक्रम है। उन्होंने महात्मा गांधी को राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वे कल एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के कारोबारी नेता भाग लेंगे।

स्टालिन तमिल सहित मातृभाषा में शिक्षा का कर रहे विरोध: प्रधान

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पर पलटवार करते हुए सोमवार को सवाल किया कि क्या वह तमिल सहित मातृभाषा में शिक्षा का विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर आरोप लगाया है। एनईपी के आगे झुकने से मना करने पर देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को केंद्र सरकार पर धन देने से इनकार करने का आरोप लगाया है।

गणेश चतुर्थी के साथ महाराष्ट्र में सात सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरूआत हो गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मुंबई के मशहूर लालबागचा राजा पंडाल का दौरा किया। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना भी की। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद थे।

मंकीपॉक्स का मरीज मिलने के बाद केंद्र सरकार सतर्क

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: देश में मंकीपॉक्स का एक संदिग्ध मरीज मिलने के बाद केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। सोमवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को चिट्ठी लिख कर एडवाइजरी जारी की है। राज्यों को सतर्कता बरतने के साथ मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों की जांच करने और उनके संपर्क में आने वाले लोगों का पता लगाने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा लिखी गई चिट्ठी में कहा गया है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को चिंता का विषय घोषित किया है। इसलिए इस पर सख्ती से निगरानी और इससे निपटने के सभी उपाय किए जाने चाहिए।

पीएम ने मणिपुर में छोड़ी दी संवैधानिक जिम्मेदारी: खरगे

टीम एक्शन इंडिया
इंफाल: मणिपुर में हिंसा की नई लहर के बीच कांग्रेस ने सोमवार को मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। विपक्षी पार्टी ने केंद्र सरकार से संवेदनशील सुरक्षा स्थिति की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। पार्टी ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाए आयोग को अपनी जांच तेज करनी चाहिए।

'पीएम मोदी की विफलता माफी योग्य नहीं'

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर में घोर विफलता माफी के लायक नहीं है। उन्होंने कहा कि पूर्व राज्यपाल अनसुइया उइके ने भी मणिपुर की जनता की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग परेशान और दुखी हैं और वे चाहते हैं कि पीएम मोदी उनके बीच आएं।

जिरिबाम जिले में मारे गए पांच लोग

विपक्षी पार्टी की ओर से यह बयान तब आया है, जब शनिवार को राज्य के जिरिबाम जिले में ताजा हिंसा में पांच लोग मारे गए। पुलिस के मुताबिक, जिरिबाम जिले में उग्रवादी सोते समय एक व्यक्ति के घर में घुसे और उसे गोली मार दी। हत्या के बाद समुदायों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें चार हथियारबंद लोग मारे गए। राज्य में जातीय संघर्ष के शुरूआत में जिरिबाम हिंसक घटनाओं से दूर था। लेकिन जून में समुदाय के एक व्यक्ति (59 वर्षीय) की हत्या के बाद यहां भी हिंसा शुरू हुई। इस हत्या के लोगों ने एक-दूसरे समुदायों के उग्रवादियों को जिम्मेदार ठहराया।

निशाने पर पीएम

मणिपुर में हिंसा की नई लहर के बीच कांग्रेस ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त करने की मांग की

सूरत में गणेश पंडाल पर पथराव, जमकर हुई हिंसा

टीम एक्शन इंडिया
सूरत: गुजरात के सूरत शहर में गणपति उत्सव के दौरान तनाव फैल गया। दरअसल, बताया जा रहा है कि कुछ लोगों ने कथित रूप से एक पंडाल में पथराव किया। इस वजह से भगवान गणेश की मूर्ति को नुकसान पहुंचा। रविवार देर रात सैयदपुरा में हुई इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने कुछ नाबालिगों को हिरासत में लिया। इसके बाद करीब 300 लोगों ने लालगेट थाने का घेराव किया। उन्होंने अपने समुदाय के लोगों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध किया। इस दौरान हालात बेकाबू हो गए। पुलिस के मुताबिक, एक ऑटोरिक्शा में सवार कुछ उपद्रवियों ने गणेश पंडाल में पत्थर फेंके। इससे मूर्ति खंडित हो गई।

संतुष्ट नहीं | कर्मियों का अल्टीमेटम, 30 सितंबर तक यूपीएस का गजट नहीं, तो होगा महा-आंदोलन, 26 को करेंगे विरोध प्रदर्शन

कर्मचारियों को रास नहीं आ रही यूपीएस की खूबियां, हल्लाबोल की तैयारी

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: केंद्र सरकार द्वारा एनपीएस में सुधार कर लाई गई 'यूनिफाइड पेंशन स्कीम' (यूपीएस) लागू करने की घोषणा से सरकारी कर्मचारी संतुष्ट नहीं हैं। अभी तक यूपीएस का गजट भी नहीं आया है। फिलहाल केंद्र सरकार ने यूपीएस की जो खूबियां गिनाई हैं, वे कर्मचारियों को रास नहीं आ रही हैं। पुरानी पेंशन व्यवस्था में यदि कोई कर्मचारी, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेता है, तो उसकी पेंशन, सेवानिवृत्ति की तिथि से ही शुरू कर दी जाती थी, लेकिन अब यूपीएस में उसे 60 वर्ष के बाद पेंशन देने की बात कही गई है। मतलब कोई कर्मचारी 45 साल में वीआरएस लेता है, तो उसे 15 साल तक पेंशन मिलने का इंतजार करना होगा। 'नेशनल मिशन फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम भारत' के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत सिंह पटेल ने बताया, 30 सितंबर तक अगर यूपीएस का गजट नहीं आता है, तो नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर यूपीएस-एनपीएस के विरोध में महा-आंदोलन होगा। दूसरी तरफ, पुरानी पेंशन की मांग के लिए लंबे समय से आंदोलन करने वाले कर्मचारी संगठन 'एनएमओपीएस' ने भी 26 सितंबर को देश के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। बता दें कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर विभिन्न कर्मचारी संगठन, अपने अपने तरीके से विरोध जता रहे हैं। कई कर्मचारी संगठन ऐसे भी हैं, जो यूपीएस का नोटिफिकेशन आने का इंतजार कर रहे हैं। नोटिफिकेशन में अगर कर्मचारियों के हितों की बात नहीं हुई तो दोबारा से ओपीएस की मांग को लेकर आंदोलन किया जाएगा। मंजीत पटेल के मुताबिक, इस संबंध में केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया गया है। 30 सितंबर तक अगर यूपीएस का गजट नोटिफिकेशन नहीं आया तो बड़ा आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

विरोध

कोई कर्मचारी 45 साल में वीआरएस लेता है, तो उसे 15 साल तक पेंशन मिलने का इंतजार करना होगा

उप्र शिक्षक भर्ती मामला: हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

टीम एक्शन इंडिया
नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती के मामले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार और संबंधित पक्षकारों से कहा कि वो लिखित दलीलें जमा कराए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें हाई कोर्ट के फैसले के अध्ययन के लिए वक्त चाहिए। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में जून 2020 और जनवरी 2022 के सेलेक्शन लिस्ट को रद्द करते हुए यूपी सरकार को आदेश दिया था कि वो 2019 में हुए सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के आधार पर 69 हजार शिक्षकों के लिए नए सलेक्शन लिस्ट तीन महीने में जारी करे। याचिका अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने दायर की है। अपने आदेश में हाई कोर्ट ने ये भी कहा था कि अगर कोई आरक्षित वर्ग का कैंडिडेट जनरल कैटेगरी के बराबर मेरिट हासिल कर लेता है तो उसका सेलेक्शन जनरल कैटगरी में ही माना चाहिए। हाई कोर्ट के इस आदेश के चलते उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में नौकरी कर रहे शिक्षकों पर नौकरी खोने का खतरा मंडराने लगा था।

गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2019 में हुई 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों की सूची नए सिरे से जारी करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने 1 जून 2020 और 5 जनवरी 2022 की चयन सूचियां को दरकिनार कर नियमों के तहत तीन माह में नई चयन सूची बनाने के निर्देश दिए। कोर्ट के इस फैसले से राज्य सरकार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा था।

जिलाधिकारी ने किया कलेक्ट्रेट का निरीक्षण, साफ-सफाई और व्यवस्था पर दिए निर्देश

निरीक्षण किया

नवनियुक्त जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों और विभागों का निरीक्षण किया

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के नवनियुक्त जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों और विभागों का निरीक्षण किया और कार्मिकों से परिचय और उनके कार्यों के बारे में जानकारी ली।
जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित सभी कार्यालय कक्ष और परिसर में बेहतर साफ-सफाई रखी जाए। रिकार्ड रूम में अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित रखा जाए।
जिला पूर्ति कार्यालय में निष्प्रोज्य सामान एवं विद्युत लाइन को ठीक करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित निर्वाचन कार्यालय के समीप कूड़ा कागज जलाए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों का चालान करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कलेक्ट्रेट के पूरे परिसर को स्वच्छ एवं साफ रखा जाए।
इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष, ओएसडी कक्ष, शिकायत अनुभाग कक्ष, मीटिंग हाल, सामान्य कार्यालय अनुभाग, अपर जिलाधिकारी कक्ष एवं न्यायालय कक्ष, मालखाना सहित आबकारी विभाग, पूर्ति कार्यालय, निर्वाचन कार्यालय, सूचना विभाग, जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र आदि का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने आपदा कंट्रोल रूम के आपातकालीन दूरभाष नंबरों पर कॉल भी किया। इस दौरान उन्होंने तहसील थराली एवं चमोली में डीडीआरएफ के नंबरों को भी डायल करते जांचा।
निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, आबकारी अधिकारी प्रमोद मैठाणी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी, वैयक्तिक अधिकारी राजेन्द्र जुयाल, शाहबाज अहमद आदि मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

निर्देश

उन्होंने अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन रोकने के निर्देश दिए

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार के नवागंतुक जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने सोमवार को विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने अनुपस्थित पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान मुख्य शिक्षाधिकारी कार्यालय, मुख्य शिक्षा अधिकारी केके गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दर्शन सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अशोक वैद्य, प्रधान सहायक दीपक सैनी, ड्राइवर मनवर सिंह नेगी तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बेसिक, माध्यमिक में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी महेश मैथानी अनुपस्थित पाए गए।
जबकि 10.25 बजे जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी कार्यालय में निरीक्षण के दौरान जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर गौरव उप्रेती अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए सही अधिकारियों तथा कर्मचारियों का वेतन रोकने तथा स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी अधिकारी एवम कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचें। कार्यालय में आने वाले व्यक्तियों एवम फरयादियों की पूरी शालीनता से समस्याएं सुनकर उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें।
जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए उनकी अनुमति के बिना कोई भी अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा।

हरीश रावत ने सरकार पर साधा निशाना

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
बालाजी ज्वैलर्स में हुई लूट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार सुरक्षा देने में नाकाम है। और हरिद्वार में हुई डकैती इसका उदाहरण है। रावत ने सरकार को चेतावनी दी है कि यदि डकैती के आरोपित दो दिन में नहीं पकड़े जाते हैं तो वह 12 सितंबर को हरिद्वार में चंद्राचार्य चौक से बिगड़ती कानून व्यवस्था पर सरकार के ध्यानाकर्षण के लिए पदयात्रा निकालेंगे।
उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह वारदात को अंजाम दिया गया, उससे लगता है कि डकैत ज्वलेरी शोरूम में घूमने आए थे।

कल्याणकारी योजनाओं में कोई ढिलाई न हो: सविन बंसल

औचक निरीक्षण

जिलाधिकारी सविन बंसल ने सोमवार को जिला समाज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जिलाधिकारी सविन बंसल ने सोमवार को जिला समाज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी प्रातः 10 बजे सर्वे चौक स्थित जिला समाज कल्याण कार्यालय पंहुचे। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण विभाग द्वारा दी जा रही पेंशन ब्लॉक वार आवेदन की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन की स्थिति का अवलोकन किया। साथ ही समाज कल्याण विभाग की अन्य योजनाओं के आवेदन की जानकारी तथा प्रगति जानी।
जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि किसी भी योजना का आवेदन लंबित न रहे, यह सुनिश्चित कर लें। आवेदन लंबित रखने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही होगी। यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि पेंशन संबंधी कोई भी आवेदन एक सप्ताह से अधिक लंबित ना रहे । आवेदन में कमियां पाए जाने की सूचना आवेदक को समयबद्ध दी जाए।
उन्होंने समाज कल्याण कार्यालय में आने वाले लोगों से वार्ता की, उनकी समस्या सुनते हुए समाज कल्याण अधिकारी को शाम तक समस्या का निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पेंशन योजना के आवेदनों 15 से 18 दिन , लंबित पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए पेंशन संबंधी आवेदनों को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी की कि पेंशन योजना के आवेदन 7 दिन से अधिक लंबित रखने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी ।
जिलाधिकारी ने समाज कल्याण कार्यालय में अभिलेखों का ठीक से रख रखाव न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और अभिलेखों का ठीक प्रकार से रखरखाव करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम अनुसूचित जाति अनुदय ऋण, योजना के आवेदन की जानकारी लेते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।
उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर पर समन्वय करते हुए निदेशों से अवगत करा दिया जाए कि किसी भी योजना का आवेदन निर्धारित समय अवधि में निस्तारण करें तथा अभिलेखों का रखरखाव ठीक प्रकार से किया जाए। साथ ही निर्देशित किया कि ब्लॉक स्तर के कार्यालय के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए।

संक्षिप्त खबरें

आवाह्न अखाड़े के श्रीमहंत गोपाल गिरि महाराज ने अखाड़ा परिषद को सुधार की नसीहत दी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
आवाह्न अखाड़े के श्रीमहंत गोपाल गिरि महाराज ने अखाड़ों के बीच चल रही खींचतान पर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने प्रयागराज कुम्भ मेला 2025 को भव्य और दिव्य बनाने के लिए अखाड़ा परिषद को अपने आचार-विचार सुधारने की सलाह दी है।
श्रीमहंत गोपाल गिरि ने कहा कि नकली और कुछ बहिष्कृत साधुओं को शामिल करके परिषद बनाना उचित नहीं है। अखाड़ा परिषद तभी वैध हो सकती है जब संन्यासी और वैष्णव दोनों पक्षों में अध्यक्ष और मंत्री अलग-अलग हों। उनका कहना है कि परिषद में दोनों प्रमुख पदों पर एक ही परंपरा के साधु नहीं होने चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि अध्यक्ष संन्यासी हो तो मंत्री बैरागी, उदासी या निर्मल सम्प्रदाय से होना चाहिए।
श्रीमहंत गोपाल गिरि ने कहा कि पहले निरंजनी अखाड़े के श्रीमंहत शंकर भारती 16 वर्ष तक अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रहे। इसके बाद सन 2004 से 17 तक वैष्णव अखाड़े के श्रीमहंत ज्ञान दास और जूना अखाड़ा ने अध्यक्ष पद संभाला। वर्ष 20 17 से फिर निरंजनी और जूना अखाड़े के साधु अध्यक्ष और महामंत्री बन बैठे।
उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अखाड़ा परिषद किसी की निजी संपत्ति है, जो कुछ अखाड़े इस पर कब्जा जमाने के लिए पदों से चिपके रहना चाहते हैं। श्रीमहंत गोपाल गिरि ने पूछा कि अखाड़ा परिषद में सर्वप्रथम स्थापित आवाहन, अटल, अग्नि और आनन्द अखाड़ों को परिषद में उपेक्षित क्यों किया जा रहा है। इन अखाड़ों को केवल वोट देने और समर्थन के लिए ही इस्तेमाल करना अनुचित है।
उन्होंने आगे कहा कि अखाड़ा परिषद में ऐसे लोगों को पद मिलना चाहिए, जो लोभ, कपट और छल से दूर हों और समदृष्टा हों, तभी अखाड़ा परिषद का महत्व स्थापित हो सकेगा।

विधायक विनोद चमोली ने जिलाधिकारी को दी नसीहत, नगर निगम की बिल्डिंग से छेड़छाड़ न करने का आग्रह किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
विधायक विनोद चमोली ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि नगर निगम की प्राचीन बिल्डिंग से छेड़छाड़ न की जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम के बारे में फैसला लेने के लिए बोर्ड है और जिलाधिकारी को अपने प्रशासनिक कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। विधायक ने जिलाधिकारी को नसीहत देते हुए कहा कि सरकार ने जिस कार्य के लिए उन्हें भेजा है वह वही कार्य करें।
देहरादून के नवनियुक्त जिलाधिकारी सविन बंसल इन दिनों पुरी तरह सक्रिय दिख रहे हैं। उन्होंने कोरोनेशन अस्पताल, नगर निगम के साथ ही अन्य विभागों का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नगर निगम में ऑटोमेटिक पार्किंग को लेकर भी बात कही है, जिसको लेकर भाजपा विधायक विनोद चमोली ने जिलाधिकारी को नसीहत दे डाली।

गैर इरादतन हत्या के मामले युवक गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
बीते रोज सिडकुल थाना क्षेत्र में मिले अज्ञात शव के मामले में पुलिस ने एक आरोपित को लक्सर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में पकडे. गए आरोपित के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।
जानकारी के मुताबिक बीते रोज सुबह सिड़कुल क्षेत्र में एक अज्ञात शव मिला, जिसकी पहचान नितिन पुत्र दिलीप मिश्रा, सीतापुर उत्तर प्रदेश निवासी के रूप में हुई। मृतक नितिन सिडकुल में मासकोट कंपनी में काम करता था। मृतक वर्तमान में रावली महदूद में निवास करता था। मृतक के मौसा विष्णु प्रकाश बाजपेई की तहरीर पर थाना सिडकुल पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी।
पुलिस को घटनास्थल के आसपास मौजूद सीसीटीवी फूटेज चेक करने पर पता चला की दीप्ति बिहार कॉलोनी को जाने वाले तिराहे पर मृतक एक पैदल चल रहे व्यक्ति को झपट्टा मारते हुए दिखाई दे रहा है। पैदल चलता हुआ व्यक्ति मृतक को धक्का देकर नीचे गिराता है। गिरने के बाद मृतक उठ नहीं पाता है। वह धक्का देने वाले व्यक्ति की पहचान दीप्ति विहार कॉलोनी में ही रहने वाले अतुल उम्र 22 वर्ष पुत्र सतीश निवासी ग्राम हरचंदपुर थाना नांगल सोती जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई।

एआई का उपयोग मनुष्य के बौद्धिक व्यायाम और चिंतन में बड़ी बांधा : प्रो. शिरीष

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कागड़ी सम विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी सप्ताह के अंतर्गत हिंदी भाषा और साहित्य पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग महत्व एवं चुनौतियां विषयक तीन दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। हिंदी सप्ताह के दूसरे दिन के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के हिंदी विभाग के प्रोफेसर शिरीष मौर्य ने हिंदी लेखक और एआई का दौर विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मृदुल जोशी ने व्याख्यान का विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि वर्तमान समय में एआई के कारण कई चैट बॉट उपलब्ध है, जिनकी सहायता से भाषा और साहित्य के विद्यार्थी सूचनाओं का व्यवस्थित उपयोग कर सकते हैं। प्रो. जोशी ने कहा कि एआई मूल ग्रन्थों के अध्ययन का विकल्प नहीं बनना चाहिए।
द्वितीय दिवस व्याख्यान के मुख्य वक्ता ने कहा कि भले ही एआई के कारण कुछ सुविधाएं विकसित हुई हैं मगर एआई का उपयोग मनुष्य के बौद्धिक व्यायाम और चिंतन में एक बड़ी बांधा उत्पन्न कर रहा है, जिसके प्रति सचेत होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मेधा कभी भी बनावटी नहीं हो सकती है, क्योंकि मेधा के विकास की यात्रा मनुष्य के विकास की यात्रा है।
समाज, संस्कृति और इतिहास को समझने के लिए मानव मस्तिष्क ही प्रभावी है। एआई केवल वर्तमान और भविष्य के सवालों से संभावित उत्तर दे सकता है। प्रो. मौर्य ने एआई के भविष्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मशीनें मनुष्य को नष्ट कर रही हैं इसके कारण मनुष्य के अंदर मूल्यों का पतन हुआ है तथा धैर्य कम हुआ है।
भारतीय भाषा कला और संस्कृति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. ब्रह्म देव ने कहा कि भाषा मनुष्य की चेतना की प्रतीक है तथा भाषा के माध्यम से हमें आत्मबोध की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने मशीनों की विवेकसम्मत उपयोग करने की सलाह प्रतिभागियों को दी। व्याख्यान माला के उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. अजित तोमर ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. निशा शर्मा ने किया।

बदरीनाथ धाम में शुरू हुआ पौराणिक कुबेर गली का मरम्मत कार्य

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ धाम में पौराणिक आस्था पथ कुबेर गली की मरम्मत कार्य सोमवार से शुरू हो गया है। बरसात में मलबा आने से पुराना आस्था पथ क्षतिग्रस्त हो गया था।
गौरतलब है कि गत रविवार को बदरीनाथ धाम में निरीक्षण के दौरान तीर्थ पुरोहितों ने यह समस्या जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी के समक्ष रखी थी। जिलाधिकारी ने जनभावना के दृष्टिगत कार्यदायी संस्था को तत्काल प्रभाव से पुराने आस्था पथ कुबेर गली को ठीक करने के निर्देश दिए थे, ताकि भगवान के विग्रह का रास्ता सुचारू रहे। कार्यदायी संस्था ने सोमवार से आस्था पथ ठीक करने का काम शुरू कर दिया है।

प्रेम प्रसंग का मामला: गला रेतकर भाई ने बहन को उतारा मौत के घाट, कबूला जुर्म

वारदात

बताया गया है कि मृतक की दो और बहनें हैं, जिनमें एक विवाहित है। दूसरी बहन परिवार के साथ रहती है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
जनपद के मंगलौर क्षेत्र में एक भाई ने अपनी बहन का गला रेतकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित ने खुद ही परिजनों और पुलिस को पूरी घटना के बाबत बताया। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लिया है और शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
घटना देर रात की है जब मंगलौर के मोहल्ला मलानपुरा स्थित एक घर में शाइस्ता (24) की गला काटकर उसके भाई अमन पुत्र इमरान ने हत्या कर दी। बताया गया है कि मृतक की दो और बहनें हैं, जिनमें एक विवाहित है। दूसरी बहन परिवार के साथ रहती है। घटना के वक्त मां रविवार रात अपनी एक रिश्तेदारी में देवबंद गई हुई थी। सुबह जब वह घर आई तो कातिल भाई ने पूरी बात मां और पुलिस को बताई। मामला प्रेम प्रसंग का बताया जा रहा है।

खाई में गिरी बाइक, दो युवक घायल, एसडीआरएफ ने निकाला

हादसा

एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पाया कि उक्त दोनों व्यक्ति बाइक से अगस्त्यमुनि की ओर आ रहे थे।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
रुद्रप्रयाग जनपद में बांसवाड़ा और भीली मार्ग के बीच एक अनियंत्रित मोटरसाइकिल खाई में जा गिरी। इससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। एसडीआरएफ ने घायल युवकों को खाई से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। आपदा कंट्रोल रूम रुद्रप्रयाग से एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि बांसवाड़ा और भीली के बीच एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई है। मोटरसाइकिल पर दो लोग सवार थे। रेस्क्यू के लिए एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम पोस्ट अगस्तमुनि से उप निरीक्षक मनोहर कन्याल के नेतृत्व में रेस्क्यू उपकरणों संग तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।
एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि उक्त दोनों व्यक्ति बाइक से अगस्त्यमुनि की ओर आ रहे थे। बांसवाड़ा और भीरी के बीच में इनकी बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। एसडीआरएफ टीम ने पुलिस, डीडीआरएफ व स्थानीय लोगों के साथ संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाते हुए खाई में उतर रोप स्ट्रेचर की सहायता से उक्त दोनों व्यक्तियों को घायल अवस्था में खाई से बाहर निकाला और एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा।

वैदनी कुंड में दस सितम्बर को होगा लोक जात का समापन

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
हिमालय की आराध्य मां नंदा की लोकजात यात्रा अब धीरे-धीरे उच्च हिमालय क्षेत्र की ओर बढ़ रही है। यात्रा सोमवार को गेरौली पातल नामक स्थान पर रुकेगी, जो निर्जन स्थान है। दस सितम्बर को लोकजात यात्रा का समापन होगा। मंगलवार को यात्रा वैदनी नामक स्थान पर पहुंच जाएगी, जहां पवित्र वैदनी कुंड में समस्त हिमालयी देवी देवता स्नान करेंगे। मान्यता है कि हिमालय के आराध्य भगवान शंकर पूजा अर्चना के दौरान यहां स्वयं उपस्थित होते हैं। इस पुण्य अवसर का साक्षी बनने के लिए यहां हजारों की संख्या में लोगों का पहुंचना शुरू हो गया है। समुद्र तल से 11004 फीट ऊंचाई पर स्थित वैदनी बुग्याल में स्थित वैदनी कुंड में पूजा अर्चना के बाद लोकजात यात्रा का समापन हो जाएगा।
वैदनी बुग्याल से त्रिशूली एवं नंदा घुंघुटी की चोटियां स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। हरे भरे चारागाह वैदनी की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। मंगलवार को नंदा सप्तमी की पूजा अर्चना के बाद लोकजात पर निकली मां नंदा इस यात्रा की समाप्ति के बाद यहां से अपने ननिहाल देवराडा के लिए वापस आ जाती है एवं यही पर पूरे छः माह के लिए प्रवास करती हैं और पूजी जाती हैं।

मानव व भगवान के बीच का रिश्ता भी बताती है लोकजात

मानव व भगवान के बीच यदि कोई रिश्ता है तो वह लोकजात के दौरान दिखाई देता है । लोकजात के दौरान आयोजित धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना के समय पड़ावों पर इतने भावुक हो जाते हैं कि वह मानव से भगवान के रिश्ते की याद दिला देते है। **पित्रों का तर्पण भी करते है वैदनी में**

लोकजात के साथ-साथ वैदनी कुंड में पूजा अर्चना के दौरान स्थानीय लोग श्राद्ध एव तर्पण भी करते हैं। वैदनी कुंड के पुजारी देवी दत्त कुनियाल का कहना है कि वैदनी मे पूजा अर्चना के दौरान स्वयं भगवान शंकर यहां उपस्थित होते है, ऐसा माना जाता है। इस दौरान पित्रो के निमित यहां किये गए श्राद्ध एव पित्र तर्पण सीधे पित्र लोक तक पहुंचते है ऐसी भी मान्यता है।

अंतिम गांव वाण से नंदा के धर्म भाई लाटू देवता करते है लोकजात की अगुवाई

लोकजात यात्रा के दौरान हिमालय क्षेत्र में प्रवेश से पूर्व अंतिम गांव वाण है जो यात्रा का पड़ाव भी है। यहां पर लाटू देवता का मंदिर स्थित है। लाटू मां नंदा के धर्म भाई है। वाण से आगे उच्च हिमालयी क्षेत्र में मां नंदा की लोकजात यात्रा की अगुवाई भी नंदा के धर्मभाई लाटू ही करते है।

गढ़वाल सांसद बलूनी पहुंचे कोटद्वार, कार्यकर्ताओं की सुनी समस्याएं

कोटद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गढ़वाल सांसद और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी सोमवार को कोटद्वार पहुंचे।
इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं की समस्या सुनते हुए मौके पर संबंधित अधिकारी को निराकरण के निर्देश दिये।
गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बलूनी ने कहा कि जल्द ही विभाग क्षतिग्रस्त जगह के लिए स्थाई प्रस्ताव दें।

हिमालय दिवस पर मुख्यमंत्री की घोषणा, हिमालय संरक्षण के लिए गठित की जाएगी विशेष कमेटी

विमोचन

-मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय पांचवें देहरादून, अन्तरराष्ट्रीय साइंस व टेक्नोलॉजी फेस्टिवल के पोस्टर का किया विमोचन

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन तेजी से हो रहा है। इसका असर उत्तराखंड में भी देखने मिल रहा है। हमें हिमालय, जल और जंगल के संरक्षण की दिशा में मिलकर प्रयास करने हैं। सोचना होगा कि अपनी आने वाली पीढ़ी को विरासत में क्या देकर जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के सरोकारों से जुड़े विषयों के लिए एक विशेष कमेटी बनाई जायेगी।
मुख्यमंत्री ने ये बातें सोमवार को हिमालय दिवस पर मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के सरोकारों से जुड़े विषयों के लिए महानिदेशक यूकॉस्ट दुर्गेश पंत के संयोजन में एक कमेटी बनाई जायेगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यूकॉस्ट की ओर से आयोजित किए जाने वाले राज्यस्तरीय पांचवें देहरादून अन्तरराष्ट्रीय साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन किया। यह महोत्सव 06 जनपदों देहरादून, चमोली, उत्तरकाशी, टिहरी, बागेश्वर और पिथौरागढ़ स्थित इंजिनियरिंग कॉलेजों में किया जायेगा।
मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान सभी को हिमालय दिवस की शुभकामनाएं दी और हिमालय के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रहे लोगों का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में हर वर्ष 02 सितम्बर को बुग्याल संरक्षण दिवस मनाया जायेगा।
मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में भी इस वर्ष तापमान में काफी वृद्धि हुई। अगर तापमान इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले समय चिंताजनक है। पिछले कुछ वर्षों में हमने तमाम आपदाएं देश-दुनिया में देखी हैं। इस बार भी हमारे प्रदेश में कई जगह आपदा आई। पिछले साल हमने आपदाओं पर वर्ल्ड कांग्रेस का आयोजन भी किया। 29 नवंबर 2023 को यह आयोजन हुआ था और उसी दिन सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था।
उन्होंने कहा कि जब 17 दिन तक रेस्क्यू चल रहा था तो बहुत बार लगता था कि आज ब्रेक थ्रू होगा लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आती रही। विश्वभर की तकनीक उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोग से हमें मिली और आखिरकार हम सभी को सकुशल बाहर निकालने में सफल रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय दिवस का यह आयोजन केवल एक सप्ताह का कार्य नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक दिन हमें प्रकृति को बचाने का कार्य करना है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय के महत्व को हमें नई तरह से समझने की जरूरत है। जल स्रोतों और नदियों के पुनजीर्वीकरण की दिशा में सरकार की ओर से निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इसके लिए स्प्रिंग एण्ड रिवर रिज्यूवनेशन अथॉरिटी का गठन किया गया है। हिमालय के संरक्षण के लिए अनेक कार्य किये जा सकते हैं। हिमालय हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिसे बचाने की आवश्यकता है। उत्तराखंड पहला राज्य है जहां जी.ई.पी की शुरूआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में इकोलॉजी व इकॉनमी में संतुलन बनाकर विकास के कार्य किये जा रहे हैं। सरकार पौधरोपण, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है, लेकिन इन सब में जनसहभागिता की जरूरत है, तभी हम इन प्रयासों में सफल हो पाएंगे।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड के बोर्ड ने 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का धन जुटाने की मंजूरी दी

समझौता

भारत में लिथियम कार्बोनेट बनाने के लिए तकनीक हासिल करने के लिए एक समझौता किया था

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसईः 539561), जो एपीआई इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई व्यापार के लिए आवश्यक अन्य कच्चे माल के व्यापार में लगी हुई है, ने घोषणा की है कि कि इसके बोर्ड ने फॉरेन करन्सी कन्वर्टबल बॉन्ड, प्राइवेट प्लेसमेंट , राइट इश्यू, फॉलो ऑन पब्लिक ऑफरिंग, क्यूआईपी, ग्लोबल डिपाजिटरी रिसीपटस (जीडीआर) अमेरिकन डिपाजिटरी रिसीपटस (एडीआर), या किसी अन्य किसी भी अनुमत तरीके या इनके संयोजन के माध्यम से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक का धन जुटाने के लिए मंजूरी दी है, जैसा कि उचित समझा जा सकता है, लागू होने पर शेयरधारकों की मंजूरी और कानूनी औपचारिकताओं पर अधीन है। इससे पहले, कंपनी ने 29 जुलाई, 2024 से प्रभावी होने के लिए यूके के एंजेल पार्टनर्स, लिमिटेड के साथ भारत में लिथियम कार्बोनेट बनाने के लिए तकनीक हासिल करने के लिए एक रणनीतिक समझौता किया था। कंपनी ने उसी तारीख से प्रभावी होने के लिए तुर्की के अल्फा केमिकल्स एंड सॉल्वेंट्स लिमिटेड के साथ एक वार्षिक आपूर्ति समझौता भी किया। तकनीकी-ग्रेड लिथियम कार्बोनेट की आपूर्ति जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में शुरू होगी। ब्ल 2025 के लिए आपूर्ति का मूल्य 20-25 मिलियन अमेरिकन डॉलर है। तकनीकी-ग्रेड लिथियम कार्बोनेट का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों और पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए लिथियम-आयन बैटरी में किया जाता है।

जल व्यवस्था पर गोलमेज सम्मेलन, विशेषज्ञों ने कुप्रबंधन पर जताई चिंता

सम्मेलन

सोमवार को पुस्तकालय सभागार में उत्तराखंड की जल व्यवस्था पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की ओर से सोमवार को पुस्तकालय सभागार में उत्तराखंड की जल व्यवस्था पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने राज्य में घटते भू-जल भंडार और समग्र रूप से जल संसाधनों के कुप्रबंधन पर चिंता जताई।
दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के संस्थापक निदेशक रहे प्रोफेसर बीके जोशी ने राज्य के घटते जल संसाधनों पर एक सिंहावलोकन प्रदान किया। सेवानिवृत्त पीसीसीएफ एआर सिन्हा ने जलागम विकास और नदी के प्रवाह को बनाए रखने में जलस्रोतों और धाराओं की भूमिका पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने जल विज्ञान, जल को नियंत्रित करने में वृक्ष प्रजातियों और वनस्पति आवरण की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। टाटा ट्रस्ट के डॉ. विनोद कोठारी ने स्प्रिंगशेड प्रबंधन के बारे में ज्ञान और सीख साझा की। राज्य में जलस्रोत सूची तैयार करने के कार्य पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि राज्य में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण आबादी पीने के पानी और अन्य जरूरतों के लिए जलस्रोतों पर निर्भर है। जलस्रोत को आजीविका के अवसरों से जोड़ना जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।
पूर्व में उत्तराखंड सरकार और राज्य योजना आयोग से जुड़े एचपी उनियाल ने जलस्रोत प्रबंधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि स्प्रिंग्स के हाइड्रोजियोलॉजी को समझने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। स्प्रिंगशेड प्रबंधन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रेट जैकेट दृष्टिकोण उत्तराखंड के विभिन्न स्प्रिंग टाइपोलॉजी और भू-वैज्ञानिक विविधता में काम नहीं कर सकते हैं। उन्होंने उत्तराखंड में चाल (प्राकृतिक जल भंडारण), खाल (तालाब) की पहचान करने की आवश्यकता पर जोर दिया।
प्रख्यात जलविज्ञानी डॉ. एसके भरतरी ने सूखते जलस्रोतों सतही जल अपवाह और पुनर्भरण क्षेत्रों की पहचान में आइसोटोप पद्धति के उपयोग के तकनीकी वाले पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अल्मोड़ा के कोसी बेसिन पर तीन दशक से भी पहले किए गए अध्ययनों से महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। प्रसिद्ध पुरातत्वविद् प्रो. एमपी जोशी ने अतीत में प्रचलित जल प्रबंधन तकनीकों को प्रदर्शित किया और बताया कि किस तरह पारंपरिक जल प्रबंधन के बारे में समाज से ज्ञान लुप्त हो रहा है। सम्मेलन के संयोजक व सिडार के मुख्य कार्यकारी डॉ. विशाल सिंह ने भी उत्तराखंड के जल प्रवाह व उनके सरंक्षण पर अपनी बात रखी। गोलमेज सम्मेलन में शामिल कुछ महत्वपूर्ण पहलुओं में यह बात उभरकर आई कि उत्तराखंड राज्य के गठन के 24 साल बाद भी राज्य में ककरगर जल नीति नहीं है। इसी तरह भू-जल निकासी के नियम भी मनमाने हैं। सड़क व अन्य विकास निर्माण की तकनीक भी बेतरतीब हैं और इससे भू-जल स्रोतों पर असर पड़ सकता है। इसी तरह पुनर्भरण क्षेत्रों के संरक्षण पर भी बहुत कम ध्यान दिया जाता है। चरागाहों के महत्व को समझ कर उनके संरक्षण की दिशा में कार्य करना होगा क्योंकि वे भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं।

परिचालक की हत्या में बस चालक गिरफ्तार

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश कोतवाली अंतर्गत आईएसबीटी में हुई घटना का दून पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया है। गैर इरादतन हत्या में 24 घंटे के अंदर आरोपित को गिरफ्तार किया है। शराब पीने के दौरान हुई आपसी बहस में बस चालक ने परिचालक को बस की छत से धक्का दे दिया था।गत आठ सितंबर को विक्रम सिंह पुत्र दीप सिंह भंडारी निवासी ग्राम भेंतला पोस्ट रौणद पट्टी रौणद रमोली प्रतापनगर जनपद टिहरी गढ़वाल ने ऋषिकेश कोतवाली पर तहरीर देकर बताया कि उनका भाई भरत सिंह भंडारी (43) पुत्र दीप सिंह भंडारी निवासी ग्राम भैंतला प्रतापनगर टिहरी गढ़वाल मीनी बस के वाहन चालक धाम सिंह रावत पुत्र सांख्य सिंह के साथ परिचालक का कार्य करता था।

गुरुकुल में एचवीएसी-आर सिस्टम पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला

कार्यशाला में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जसवीर सिंह, प्रवीण, ऋषि, योगेश, कविंद्र और कमल सिंह मौजूद रहे।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
गुरुकुल कांगड़ी इंजीनियरिंग कैंपस के यांत्रिकी संभागार में एचवीएसी-आर (हीटिंग, वेंटिलेशन, एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन) सिस्टम पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।
सॉफ्कॉन इंडिया के विशेषज्ञ आवेश भटनागर ने छात्रों को एचवीएसी-आर सिस्टम के डिजाइन, संचालन और मेंटेनेंस के तकनीकी पहलुओं पर जानकारी साझा की। उन्होंने छात्रों को इस क्षेत्र के नवीनतम विकास और औद्योगिक उपयोग के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रभारी डॉ. संजीव कुमार लांबा ने बताया कि लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर भी मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कुलपति प्रो. हेमलता के., कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार, और संकायाध्यक्ष प्रो. विपुल शर्मा ने टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं और उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करती हैं। छात्रों ने कार्यशाला को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया।
कार्यक्रम संयोजक डॉ मयंक पोखरियाल ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद किया।
कार्यशाला में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. जसवीर सिंह, प्रवीण कुमार पांडे, ऋषि कुमार प्रजापति, योगेश कुमार, कविंद्र सिंह, और कमल सिंह मौजूद रहे।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लि. की लॉन्ग टर्म बैंक सुविधाएं रेटिंग को रिवाइज्ड कर आईवीआर ए पॉजिटिव कर दिया गया

वित्तीय प्रदर्शन

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लि. ने पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (बीएसईः 540642, एनएसईः सालासर), एक वन-स्टॉप इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस प्रोवाइडर है। कंपनी रेलवे और पावर सेक्टर्स के लिए टर्नकी ईपीसी सर्विसेज देने में लगी हुई है और टेलीकॉम टॉवर्स, मोनोपोल और दूसरे हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स के डिजाइन और निर्माण में भी लगी हुई है।
] कंपनी ने घोषणा की है कि मेसर्स इन्फोमेरिक्स वैल्यूएशन एंड रेटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने कंपनी की लॉन्ग टर्म बैंक सुविधाओं के लिए रेटिंग को आईवीआर ए/स्टेबल से रिवाइज्ड कर आईवीआर ए/पॉजिटिव कर दिया है। शॉर्ट टर्म बैंक सुविधाओं की रेटिंग आईवीआर ए1 पर अपरिवर्तित बनी हुई है। इससे पहले, कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए प्रभावशाली आय की घोषणा की थी।
परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, सालासर की मैनेजमेंट टीम ने कहा कि हम फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए अपना फाइनेंशियल और ऑपरेशनल परफॉर्मेंस पेश करते हुए प्रसन्न हैं। इस तिमाही को हमारी रणनीतिक पहलों में महत्वपूर्ण प्रगति और हमारे प्रमुख बिजनेस सेग्मेंट्स में लगातार वृद्धि से चिह्नित किया गया है।
सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया, जो हमारे बिजनेस मॉडल के लचीलेपन और हमारी ग्रोथ स्ट्रेटिजीज की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

उत्तराखंड पुलिस उप निरीक्षक भर्ती के लिए शारीरिक नाप-जोख एवं दक्षता परीक्षा, सातवें दिन 150 अभ्यर्थी सफल

दक्षता परीक्षा

प्रत्येक दिन दोपहर 12:30 से 1:30 बजे के बीच पांच किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया जाएगा।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
एसडीआरएफ बटालियन जौलीग्रांट में उत्तराखंड पुलिस में उप निरीक्षक भर्ती के लिए आयोजित शारीरिक नाप-जोख एवं दक्षता परीक्षा में सातवें दिन सोमवार को 150 अभ्यर्थी सफल रहे।
इसमें 281 अभ्यर्थी शामिल थे। आगामी 24 सितंबर तक रविवार को छोड़कर प्रत्येक दिन दोपहर 12:30 से 1:30 बजे के बीच पांच किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में उन्होंने आमजन से अपील की है कि दोपहर 12:30 से 1:30 बजे के मध्य जॉलीग्रांट एयरपोर्ट आने-जाने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचने के लिए देहरादून-डोईवाला-भानियावाला-जॉलीग्रांट मार्ग (मुख्य सड़क मार्ग) या थानों-पीएनबी तिराहा भानियावाला-जॉलीग्रांट एयरपोर्ट मार्ग का प्रयोग किया जा सकता है।

ये है रनिंग रूट
उत्तराखंड पुलिस में उप निरीक्षक पदों के लिए दौड़ का मार्ग निर्धारित किया गया है।
जाने का मार्ग– एसडीआरएफ वाहिनी गेट से थानों मार्ग की ओर जंगलात चौकीझकुड़ियाल गाँव कट-भुइयां मंदिर तक। आने का मार्ग– भुइयां मंदिर-कुड़ियाल गांव कट-जंगलात चौकी-एसडीआरएफ वाहिनी मेन गेट तक।

शादी का झांसा देकर युवती से किया था दुष्कर्म, गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
शादी का झांसा देकर युवती के साथ संबंध बनाने के आरोपित को रानीपुर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक बीते रोज रानीपुर कोतवाली पुलिस को अल्मोडा की रहने वाली पीड़िता ने तहरीर देकर बताया कि आरोपित बृजमोहन निवासी घमण्डपुर कोटद्वार पौडी गढवाल ने सलेमपुर में एक फोरेस्ट बाजार मार्ट में नौकरी लगवायी। इसके बाद आरोपित ने स्वयं को अविवाहित बताकर उसको शादी का झांसा देकर उसके साथ अवैध सम्बन्ध बनाये।

नवनियुक्त जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी ने बताई अपनी प्राथमिकताएं

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
नवनियुक्त जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी ने अपना कार्यभार संभालने के बाद सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपनी प्राथमिकताएं बताई। उन्होंने कहा कि सरकारी की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता में शामिल है।
उन्होंने प्रेसवार्ता में बताया कि सभी विभागों के समन्वय से जन कल्याणकारी योजनाओं को सीमांत क्षेत्र तक पहुंचाया जाएगा। जनता की जो भी शिकायत है, उसमें रिस्पांस टाइम को कम से कम करते हुए शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया जाएगा।
जिलाधिकारी ने बदरीनाथ मास्टर प्लान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति को लेकर बताया कि मास्टर प्लान के कार्य अच्छी प्रगति के साथ चल रहे है। पहले चरण में गुणवत्ता के साथ करीब 70 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो गए है। जनभावना के दृष्टिगत आस्था पथ का निर्माण कार्य शुरू करा दिया गया है। नदी का जल स्तर कम होने पर दूसरे चरण के काम भी जल्द शुरू किए जाएंगे।
चारधाम यात्रा की दूसरे चरण और बरसात में क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति पर जिलाधिकारी ने कहा कि जहां पर भी यात्रा मार्ग संवेदनशील बना है उसको जल्द से जल्द ठीक कराया जाएगा। भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किए जाएगें और चारधाम यात्रा को सुगम, सुव्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से संचालित कराया जाएगा।
प्रेसवार्ता में पत्रकार क्रांतिभट्ट, देवेन्द्र रावत, रजपाल बिष्ट, प्रमोद सेमवाल, शेखर रावत, जगदीश पोखरियाल, पुष्कर चौधरी, विनोद रावत, महानंद बिष्ट, संदीप कुमार, मनोज बिष्ट, सुरेन्द्र गडिया, अर्जुन सिंह आदि मौजूद थे।

महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन ने एनएसई बुल की प्रतिमा का उद्घाटन किया

उद्घाटन

1.4 बिलियन सपनों को सशक्त बनाने की यात्रा नामक एक स्मारक कॉफी टेबल बुक लॉन्च की।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने एनएसई मुख्यालय में एनएसई बुल की प्रतिष्ठित प्रतिमा का उद्घाटन किया और 1.4 बिलियन सपनों को सशक्त बनाने की यात्रा नामक एक स्मारक कॉफी टेबल बुक लॉन्च की। इस अवसर पर एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान भी मौजूद थे। एनएसई बुल की प्रतिमा शक्ति, ताकत और लचीलेपन का प्रतिनिधित्व करती है - ऐसे गुण जो भारत के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। बैल के मजबूत पैर, प्रमुख कूबड़ और दुर्जेय उपस्थिति देश के मजबूत वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक है। भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाली विविध पृष्ठभूमियों - जैसे कि एक स्कूल जाने वाला लड़का, एक ग्रामीण महिला और पेशेवर - से घिरी यह मूर्ति भारत के निवेश परिदृश्य की समावेशिता और एकता को रेखांकित करती है। यह प्रतिष्ठित रचना राष्ट्र के सामूहिक प्रयासों को दशार्ती है, जो आर्थिक प्रगति के एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम कर रहे हैं।
एनएसई की कॉफी टेबल बुक, द जर्नी ऑफ एम्पावरिंग 1.4 बिलियन ड्रीम्स एनएसई के विकास और पिछले 30 वर्षों में भारत की विकास कहानी में इसके योगदान पर एक प्रतिबिंब है। 1994 में अपने परिचालन की शुरूआत के बाद से पिछले 30 वर्षों में, एनएसई ने भारत के पूंजी बाजारों में क्रांति ला दी है। यह पुस्तक भारत के विकास के लिए उत्प्रेरक और दर्पण के रूप में एनएसई की महत्वपूर्ण भूमिका का वर्णन करती है।
एनएसई की बुल मूर्ति और कॉफी टेबल बुक भारत की पूंजी बाजार यात्रा में प्रतीकात्मक मील के पत्थर के रूप में खड़े हैं। आज, भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और चौथा सबसे बड़ा पूंजी बाजार है, जबकि एनएसई ऑर्डर और ट्रेड की संख्या के मामले में गतिविधि के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज बन गया है। यह उपलब्धि भारत की विश्व स्तरीय संस्थानों का निर्माण और रखरखाव करने की क्षमता का प्रमाण है जो देश की आर्थिक आकांक्षाओं की सेवा करते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित एक विकसित भारत की दिशा में प्रगति करते हैं।
इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि मुझे एनएसई के बैल की प्रतिमा और कॉफी टेबल बुक का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है। मैं एनएसई को बैल और कॉफी टेबल बुक के लिए बधाई देना चाहता हूँ जो भारत के पूंजी बाजारों में क्रांति लाने और देश के विकास में इसके योगदान में एनएसई की भूमिका को दशार्ता है। वित्तीय मजबूती और तेजी का प्रतीक बैल, शेयर बाजार के इतिहास में गहरी जड़ें रखता है। इस मूर्ति को जो चीज अद्वितीय बनाती है वह है इसके चारों ओर आकृतियों का समावेश, जिनमें से प्रत्येक भारत की प्रगति में विविध प्रतिभागियों और योगदानकताओं का प्रतिनिधित्व करती है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा कि हमें आज महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन के हाथों एनएसई बुल की प्रतिमा का अनावरण करने और अपनी कॉफी टेबल बुक लॉन्च करने पर गर्व है। एनएसई बुल समाज और बाजार के सहजीवी और पुण्य संबंध को दशार्ता है। बुल

सारा की योजनाओं को गंभीरता से लें अधिकारी :अपर मुख्य सचिव

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में स्प्रिंग एंड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण (सारा) उत्तराखंड की जनपद एवं अंतरविभागीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों को सारा के अंतर्गत गतिमान योजनाओं को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए।अपर मुख्य सचिव ने कहा कि 15 दिनों के अंदर जनपदों में लंबित कार्यों का परीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेजी जाए। जो कार्य धरातल पर पूर्ण हो चुके हैं उनके आउटकम, आंकड़े सहित पेश किए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर बंद पड़े हैंडपंप को पुनः रिचार्ज करने की दिशा में भी कार्य किए जाएं। बंद पड़े हैंडपंपों के माध्यम से भू-जल को पुनः रिचार्ज किया जाए। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर धरातल पर उतारा जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले वर्ष तक पूर्ण रूप से सूख चुके हैंडपंपों की गिनती भी हो।

संपादकीय

अवसाद-तनाव आत्महत्या का बड़ा कारण

दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए प्रतिवर्ष 10 सितम्बर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन(आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जिसका यह संदेश है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में जन जागरुकता से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस का उद्देश्य आत्महत्या की मनोवृत्ति पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2024 की थीम है आत्महत्या पर कहानी बदलना। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। दुनियाभर के साथ-साथ भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी रिपोर्ट में बताया था कि वर्ष 2022 में भारत में कुल 170924 लोगों ने आत्महत्या की जबकि 2021 में भारत में 164033 लोगों ने आत्महत्या की थी।

एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को करिअर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है। इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है। जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर जाते हैं।

जीवन से पलायन का डरावना सत्य है आत्महत्या

ललित गर्ग

> “युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा। बच्चों को शुरूआत से ही उसकी पसंद के करियर के साथ जीवन के झंझावतों को झेलने के लिए भी प्रेरित करते रहना होगा”

आत्महत्या दुनियाभर में एक गंभीर मुद्दा एवं बड़ी समस्या है। मौजूदा समय में दुनिया भर में इसके मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस गंभीर विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं आत्महत्या का पलायनवादी विचार छोड़ने के उद्देश्य से हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (डब्ल्यूएसपीडी) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2024 के लिए इस दिवस की थीम चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड यानी आत्महत्या पर कथ्य बदलना रखी गयी है। इस दिन को मनाने का खास मकसद इस बात को लोगों तक पहुंचाना है कि आत्महत्याओं को रोका जा सकता है। साथ ही उन्हें यह भी बताना है कि आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, इससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं और इसका असर बहुत ज्यादा लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह 15 और 29 वर्ष की आयु के लोगों की मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मृत्यु के शीर्ष 10 प्रमुख कारणों में से एक आत्महत्या है, जहां हर 11 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। भारत में प्रतिवर्ष 135,000 लोग आत्महत्या करते हैं, जो दुनिया की कुल आत्महत्याओं का 17 प्रतिशत हैं। आत्महत्या करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे बुढ़ापा, दीर्घकालिक बीमारियाँ, वित्तीय समस्याएँ, आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास, आय में कमी, वैवाहिक अलगाव, नकारात्मक जीवन के अनुभव, विकलांगता की ओर ले जाने वाली शारीरिक बीमारी आदि।

इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आत्महत्या के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हुई हैं, जैसे शराब की लत, अवसाद, तनाव, विकार आदि। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते भी आत्महत्या करते हैं। मौजूदा समय में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं।

आत्महत्यामुक्त समाज-संरचना के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आत्महत्या एक वैश्विक चुनौती है, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, संगठनों, समुदायों और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाने की प्रेरणा दी जाती है। भारतीय संदर्भ में आत्महत्या एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहिणियों का अनुपात 51.5 प्रतिशत था। इस संदर्भ में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक सूची में शीर्ष पर हैं। आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत गृहिणियों से संबंधित हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। पिछले दो दशकों में, आत्महत्या की दर 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति 100,000 हो गई है। 2021 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उत्तराखंड में एक वर्ष में 717 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 463 महिलाएं हैं और इसका सबसे बड़ा कारण पारिवारिक समस्या है। ऐसे में मनोविज्ञानियों की सलाह है कि परिवार में सामंजस्य बनाकर ही खुशहाल जिंदगी जीना संभव है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है जिससे की सकारात्मक सोच के साथ संघर्ष करने की सामर्थ्य पैदा हो सके। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा। बच्चों को शुरूआत से ही उसकी पसंद के करियर के साथ जीवन के झंझावतों को झेलने के लिए भी प्रेरित करते रहना होगा। आजकल कई लोग मानसिक समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इन दिनों लोग अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से कई सारी समस्याओं का शिकार होते जा रहे हैं। दुनियाभर में तनाव और डिप्रेशन से कई सारे जूझ रहे हैं। यह एक तरह का गंभीर मानसिक विकार है, जिसके सही इलाज न मिलने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं। डिप्रेशन के शिकार कई लोग खुदकुशी तक कर लेते हैं। इधर तीन-चार दशकों में चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से जहां बीमारियों से होने वाली मृत्यु संख्या में कमी आयी है, वहीं इस वैज्ञानिक प्रगति, भौतिकवादी जीवनशैली एवं तथाकथित विकास के बीच आत्महत्याओं की संख्या पहले से अधिक हो गई है। चिंता की बात यह भी है कि आज के सुविधाभोगी एवं प्रतिस्पर्धी जीवन ने तनाव, अवसाद, असंतुलन को बढ़ावा दिया है, अब सन्तोष धन का स्थान अंग्रेजी के मोर धन ने ले लिया है। जब सुविधावादी मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उन्हें पूरा करने के लिये साधन, सामर्थ्य एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं, या काम का दबाब अति हो जाता है, तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। सिनेमा में हंसता-खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार आखिर किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। मगर किसी भी स्थिति में जीवन खो देने के बजाय हालात से लड़ना और उसका हल निकालना ही बेहतर रास्ता होता है, यह सीख कौन देगा? पर मुख्य सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं एवं समृद्धताओं के शिखर पर स्थापित एवं अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर क्यों हो जाता है कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? पर वे कौन-सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां इन कलाकारों के सामने रही कि उन्होंने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार यानी आत्महत्या का रास्ता चुना?

जो परिवार तलाक, अलगाव, आर्थिक कलह एवं अभावों, रिश्तों के कलह के कारण टूटी हुयी स्थिति में होते हैं उनमें भी आत्महत्या की घटनाएं अधिक पायी जाती हैं। राजनैतिक उथल-पुथल और व्यापार में नुकसान, आर्थिक तंगी भी आत्महत्या का कारण बनती है। किसानों की फसल की तबाही और कर्ज की अदायगी की चिंता से हो रही आत्महत्या भी गंभीर समस्या बन गई है। कर्ज लेकर घी पीने की जीवनशैली ने भी सबकुछ दांव पर लगा दिया है।

कविता

जाने को कह रहे हो महफिल
से मुझे फिर ढूँढते रह जाओगे उम्र भर
मुझे
चलता चलता अबतो थक गया हूँ मैं
और कितना चलाएगी जिन्दगी मुझे

झूठी तसल्ली कब तलक देगा ऐ हकीम
पता चल गया अपनी बिमारी का मुझे

जल्लाद के हाथ में है सूली की डोरी वे
कहते हैं कि अब हंसना है मुझे

शमशान घाट में है मेरा झोंपड़ा फिर भी
वे मौत से डराते हैं हमें

हरि भारद्वाज

शिक्षा में समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता

विजय गर्ग

स्वास्थ्य सेवा में बदलाव के लिए शिक्षा में समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है भले ही भारत वैश्विक स्वास्थ्य सेवा कार्यबल में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में खड़ा है, देश में कुशल, सक्षम स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। हालाँकि, चिकित्सा शिक्षा प्रणाली विशेष रूप से गुणवत्ता और दक्षता से संबंधित कई चुनौतियों से जूझती है, जिससे बदलती स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुसज्जित कार्यबल तैयार करने की इसकी क्षमता सीमित हो जाती है। चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर एक संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट व्यापक परिवर्तन की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करती है जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। इनमें देश भर में मेडिकल कॉलेजों का असमान वितरण, जो कई छात्रों तक पहुंच में बाधा डालता है, यूजी और पीजी सीटों की कमी शामिल है। हालाँकि, चिकित्सा शिक्षा में बदलाव के लिए एक ऐसे दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो केवल मेडिकल कॉलेजों और सीटों की संख्या बढ़ाने से परे हो। गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को महत्वपूर्ण सोच कौशल और व्यावहारिक दक्षताएं मिलें जो आधुनिक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की नींव हैं। योग्यता आधारित शिक्षा राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) का गठन और सामान्य प्रवेश और निकास परीक्षाओं की शुरूआत चिकित्सा शिक्षा को मानकीकृत करने की दिशा में कदम हैं। हालाँकि, समय की मांग योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा में व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण की है। यह वास्तविक दुनिया के स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्यों पर केंद्रित है और पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए छात्रों को आवश्यक कौशल और दक्षताओं से लैस करने के लिए डिजाइन किया गया है। रटने की अपेक्षा व्यावहारिक अनुप्रयोग पर जोर दिया जाता है। एनएमसी ने सीबीएमई विनियम, 2023 के साथ दिशानिर्देश सुझाए हैं। हालाँकि, अगर हमें भारत में सीबीएमई को सफलतापूर्वक लागू करना है तो हमें केवल दिशानिर्देश तैयार करने से आगे जाना होगा। हमें एक मजबूत आधार बनाने में निवेश करने की जरूरत है, जिसमें प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा और निरंतर मूल्यांकन शामिल है। हमें सीबीएमई शिक्षाशास्त्र में प्रशिक्षित शिक्षकों का एक समूह बनाने के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करके संकाय विकास को भी मजबूत करना चाहिए। सीबीएमई को लागू करने की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार, नियामक निकायों और चिकित्सा संस्थानों को शामिल करने वाला एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है।

विचार

पंजाब और हरियाणा में गहराता गंभीर जल संकट

डॉ सत्यवान सौरभ

हरित क्रांति के बाद, पंजाब और हरियाणा मुख्य खरीफ फसल के रूप में धान की खेती, फसल की सघनता में भारी वृद्धि और तेजी से शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण जल-संकटग्रस्त राज्य बन गए हैं। हालांकि, वास्तविक मुद्दा - टिकाऊ फसल पैटर्न पर वापस लौटना और जल-उपयोग दक्षता में सुधार करना - अभी भी अनसुलझा है। पंजाब और हरियाणा में धान की कृषि भारत की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, परंतु जल पर अत्यधिक निर्भरता के कारण यह असंधारणीय होती जा रही है। धान की कृषि के कारण भूजल का अत्यधिक दोहन होने से इस क्षेत्र में गंभीर जल संकट उत्पन्न हो गया है। हरियाणा में 88 जल इकाइयों को अत्यधिक दोहन वाली श्रेणी में रखा गया है। इस समस्या से निपटने के लिए कृषि और जल संसाधनों दोनों की सुरक्षा हेतु तत्काल सुधार की आवश्यकता है। भूजल का अत्यधिक दोहनः पंजाब और हरियाणा में धान की खेती के लिए अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे भूजल स्तर में भारी कमी हुई है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि धान की खेती के लिए अत्यधिक जल दोहन के कारण पंजाब के 87% ब्लॉकों का अति दोहन किया गया। धान की खेती में प्रति किलो चावल के लिए लगभग 4,000-5,000 लीटर जल की खपत होती है , जिससे क्षेत्र के जल संसाधनों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ता है। इसकी तुलना में, बाजरे को प्रति किलो केवल 500 लीटर जल की आवश्यकता होती है , जो जल की आवश्यकताओं में भारी अंतर और धान की खेती की असंधारणीय प्रकृति को दशार्ता है। ट्यूबवेल के लिए दी जाने वाली मुफ़्त बिजली ने भूजल के अनियंत्रित दोहन को बढ़ावा दिया है, जिससे यह संकट और भी बढ़ गया है। पंजाब के किसानों को वर्ष 2023-24 में बिजली, नहर के पानी और उर्वरक के लिए 38,973 रुपये प्रति हेक्टेयर की सब्सिडी मिली , जिससे भूजल का निरंतर रूप से अतिदोहन हो रहा है। धान की खेती के कारण बढ़ता जल तनाव ,जलवायु परिवर्तन के कारण और भी अधिक हो गया है, अनियमित वर्षा के कारण जलभृतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पंजाब और हरियाणा के जल स्तर में तेजी से हो रही गिरावट से कृषि की दीर्घकालिक व्यवहार्यता को खतरा है। धान की खेती एकल फसल प्रणाली को बढ़ावा देती है, जिससे जैव विविधता कम होती है और मृदा के पोषक तत्व कम होते हैं, जिससे कृषि संधारणीयता में कमी आती है। अध्ययनों के अनुसार फसल चक्रण से मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होता है परंतु धान की खेती ऐसी विविधता को हतोत्साहित करती है। जल की अधिक माँग के कारण रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भी बढ़ जाता है, जिससे मृदा की गुणवत्ता और भी खराब हो जाती है तथा जल स्त्रोत प्रदूषित हो जाते हैं। बाढ़ सिंचाई, धान की खेती में प्रयुक्त होने वाली एक प्रमुख विधि है, जिससे वाष्पीकरण और अपवाह के माध्यम से जल की बहुत बबार्दी होती है। निरंतर धान की खेती से मृदा लवणता बढ़ जाती है, जिससे कृषि भूमि की उत्पादकता कम हो जाती है और यह अन्य फसलों के लिए कम उपयुक्त हो जाती है। धान के खेत, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, विशेष रूप से मीथेन के उत्सर्जन में जो जलवायु परिवर्तन को बढ़ाता है और दीर्घकालिक कृषि व्यवहार्यता को प्रभावित करता है। धान की खेती प्रति हेक्टेयर 5 टन काबोर्डीऑक्सीडे समतुल्य हानिकारक गैस उत्पन्न करती है , जो इसे कृषि उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनाती है। दालों, तिलहनों और बाजरा जैसी कम जल की खपत वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने से जल का उपयोग काफी कम हो सकता है और संधारणीयता में सुधार हो सकता है।

पंजाब की 2024 की योजना, धान को छोड़कर वैकल्पिक फसलों को उगाने के लिए 17,500 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रोत्साहन की पेशकश करती है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी

समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)

स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)

actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

रिश्तों के रंग बहुत गहरे होते हैं

विजय गर्ग

वह समाज में सोचने, बात करने, चलने, उठने-बैठने के अलग-अलग तरीके अपनाने लगता है। उसके दिल और दिमाग में जुड़ाव, रिश्ते, प्यार, भावनाओं के रंग पारिवारिक रिश्तों जितने घनिष्ठ नहीं होते। उसे प्रायः औपचारिक जीवन जीना पड़ता है। वह अपने से अधिक पद, धन, प्रसिद्धि वाले व्यक्ति से नीच रहकर तथा मधुर स्वर में नम्रतापूर्वक बात करके मिलता है। आदिकाल से ही मनुष्य ऐसा जीवन जीने का आदी रहा है जो अपने रिश्तों की गर्माहट को संजोता है। समय के साथ-साथवह प्रगति करते हुए परिवार से लेकर समाज, गांव, देश, देश तक अपने रिश्तों को बनाने और बनाए रखने का प्रयास करता है। सोचने, बोलने, समझने, पढ़ने, आज्ञा मानने जैसे सूक्ष्म गुणों के कारण वह समय, परिस्थिति और स्थान के अनुसार अपने परिवार और आसपास रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी भावनाओं, संवेदनाओं और संवेदनाओं को अपनी निकटता के अनुसार व्यक्त करता रहता है। जन्म के बाद व्यक्ति को सबसे पहली चीज अपने परिवार के रक्त संबंधों की गर्माहट का आनंद मिलता है। वह अपने बचपन और बड़े होने के दौरान रिश्तों का जीवन जीता है। उसका मालिक बनोउसे रिश्ते के अनुसार अपने माता-पिता, दादा-दादी, भाई, चाचा-चाची, मामा-मामी से बेहद प्यार मिलता है। इन रिश्तों के रंग बहुत गहरे और शाश्वत होते हैं। स्व-निर्मित या सामाजिक रूप से निर्मित रिश्तों में, पत्नी और सच्चे दोस्तों के बीच का रिश्ता एक आध्यात्मिक आशीर्वाद की तरह होता है। उनके करीबी रिश्तेदारों, रिश्तेदारों, परिवारों, पड़ोसियों, ग्रामीणों, साथियों, स्कूल और कॉलेज के दोस्तों के लिए, चाहे वह बाद में किसी भी बड़े स्थान पर पहुंच जाए, उनकी निकटता पारिवारिक रिश्तों की गर्माहट की तरह है।अवशेष रिश्तों का जीवन जीते हुए व्यक्ति अपना अधिक से अधिक समय घर पर या अपने रिश्तेदारों के साथ बिताता है, शादियों, जन्मदिनों, मेलों और अन्य पारिवारिक उत्सवों के रंगों और खुशियों का आनंद लेता है, दिल की गहराइयों से उनका आनंद लेता है और वे बने रहते हैं। उनकी यादों में वे पूरी जिंदगी बस जाते हैं।

मीटिंग-मीटिंग खेलते हैं

डॉ. सुरेश कुमार

बिहार की धरती पर, एक बार फिर अजीब मंजर देखने को मिला। जब आसमान से बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, तो हमारे महकमे की चाय का कुल्ला ही शुरू होता है। तूफान आया, चकाचक, लेकिन अरे! किसे खबर थी? सब तैयार बैठे थे, चाय की चुस्कियों में खोए। पोस्ट-मॉर्टम की मीटिंग बुलाई गई, जैसे पहले ही सबने यह तय कर लिया हो कि बात तो करनी है, बाद में। बात सुनिए, बिहार में अगर बारिश हो जाए तो लोग बिन मौसम मौज में आ जाते हैं। खुदा की कसम! जब सूरज निकलता है, तब पीली बत्ती जांचने जाते हैं। लेकिन जब तूफान की बात आई, तो सबने दिमाग बंद कर दिए। क्यों देखें पहले, जो होगा, देखा जाएगा!ह्व यही था उनका नारा। फसलें उगाने की चिंता नहीं, नेताओं की चाय की प्याली से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई। इधर, गाँव के लोग कह रहे थे, "बाबा, पहले क्यों नहीं बताया? हम तो ट्रैक्टर में धूप का मजा ले रहे थे!" पर कोई सुनने वाला था? पोस्ट-मॉर्टम मीटिंग में सारा ध्यान इस बात पर था कि किसकी गलती थी? सब चुप्पी साधे हुए थे। जैसे मौसम का कहर उनकी सोच से भी बड़ा हो। ठीक उसी दिन, जब तूफान घर-द्वार सब उड़ाकर ले गया, हमारे अधिकारी लोग बिलकुल सुकून में थे। "अरे, भैया! आराम से चलो, मीटिंग में बातें करेंगे। सब जानते हैं, मौसम अपने हिसाब से चलता है।" बचेंगी तो फसलें, नहीं तो न सही। पर मीटिंग तो होनी चाहिए। चाय के बिना तो नेता भी नहीं बोलते। उस मीटिंग में सभी ने एक-दूसरे की तारीफें कीं। हमने तो मौसम का ध्यान रखा था, पर इस बार कुछ होना था!ह्व लहरें उठ रही थीं, और नेता अपने जहाज पर तैर रहे थे। अंत में, तूफान ने कह दिया, "अच्छा, तो आप सब चाय पीते रहो, मैं अपनी लीला दिखा रहा हूँ!" और चलो, चाय का स्वाद छोडकर सब बर्बाद हुआ सो हुआ। अब चर्चा हुई उस प्लान पर - जो अगले तूफान की तैयारी में काम आएगा। सवाल यह था कि जब तूफान आया, तब कहाँ थी हमारी तैयारी? और जब शाम ढली, तो जिम्मेदार लोग घर चले गए। कुछ ने तो सोचा भी नहीं कि अगली सुबह क्या होगी।

मॉक पोल, टेंडर वोट, चैलेंज्ड वोट, विभिन्न फार्मों से कराया अवगत

टीम एक्शन इंडिया
राजमकुार प्रिंस

करनाल। पांच अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आज यहां डा. मंगलसेन सभागार में जिला के पीठासीन अधिकारियों (पीओ) को दो समूहों में प्रशिक्षण दिया गया। हर समूह में 475 कर्मचारियों ने भाग लिया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कुमार ने पीओ को मॉक पोल, टेंडर वोट, चेलेंज्ड वोट, विभिन्न प्रकार के प्रपत्र समेत चुनाव प्रक्रिया संबंधी विभिन्न पहलुओं की बारीकी से जानकारी दी। इस मौके पर पीठासीन अधिकारियों को अभ्यास के लिये फार्म 17 सी, स्क्रूटनी सीट और

पीओ डायरी उपलब्ध कराई गई। सीईओ एवं प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी गौरव कुमार ने पीठासीन अधिकारियों से कहा कि मतदान के दिन यदि कोई व्यक्ति वोटिंग प्रक्रिया में बाधा डालता है तो उसे मतदान कक्ष से बाहर जाने अथवा पुलिस के हवाले कर सकते हैं।

मतदान शांतिपूर्वक, व्यवस्थित एवं पारदर्शिता से संपन्न कराने में पीओ की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि मतदान कक्ष में ईवीएम को ऐसे स्थान पर रखा जाये जहां उस पर सीधी रोशनी न पड़े और पास में खिडकी भी न हो। मतदान कक्ष में मतदान के लिये आने-जाने वास्ते अलग-अलग दरवाजे हों। उन्होंने कहा कि पीओ के साथ उनकी टीम में एपीओ और दो मतदान अधिकारी भी शामिल रहेंगे।

बायें हाथ की चौथी अंगुली पर लगाएं स्याही

उन्होंने कहा कि मतदाता के बायें हाथ ही चौथी अंगुली पर अमिट स्याही लगायें। यदि किसी के हाथ में चौथी अंगुली नहीं है तो तीसरी पर, तीसरी नहीं है तो दूसरी पर और दूसरी नहीं है तो पहली अंगुली पर स्याही लगायें। यदि हाथ कटा हुआ है तो बाईं कुहनी पर, बाईं नहीं है तो दाहिनी पर, दोनों हाथ नहीं है तो बायें पैर की चौथी अंगुली पर स्याही लगाई जा सकती है।

यदि चौथी अंगुली नहीं है तो ऊपर के क्रमानुसार अन्य अंगुलियों का प्रयोग किया जा सकता है।

हर बूथ पर एक एजेंट

उन्होंने बताया कि चुनाव लड़ रहे हर प्रत्याशी की ओर से हर बूथ पर एक चुनावी एजेंट नियुक्त किया जा सकता है। एजेंट के लिये यह जरूरी है कि वह उस क्षेत्र का मतदाता हो। पीओ के लिये जरूरी है कि वह पोलिंग एजेंट का आईडी प्रूफ जांचे तथा जिन प्रपत्रों अथवा सील पर जरूरी हो वहां एजेंट के हस्ताक्षर कराये। विधायक, सांसद, मंत्री अथवा चेयरमैन पोलिंग एजेंट नहीं बन सकते। ग्राम पंचायत, सरपंच, निकाय पार्षद पोलिंग एजेंट बन सकते हैं।

थाना सतनाली की पुलिस टीम ने अवैध हथियार देसी पिस्टल के साथ एक को पकड़ा

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना

पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के निर्देशानुसार महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। थाना सतनाली की पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सतनाली क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर एक आरोपित अभिषेक वासी चांदवास थाना बाढ़ड़ा को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है, आरोपित से पुलिस ने अवैध देसी पिस्टल बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ थाना सतनाली में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपित को न्यायालय में पेश

कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना सतनाली की पुलिस टीम को गश्त के दौरान गुप्त सूचना मिली कि अभिषेक वासी चांदवास थाना बाढ़ड़ा के पास अवैध हथियार है और महेंद्रगढ़ जाने के लिए गऊशाला मोड़ की

मामला दर्ज

आरोपित से पुलिस ने अवैध देसी पिस्टल बरामद किया है। आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया

तरफ आ रहा है। अगर तुरंत नाकाबंदी की जाए तो आरोपित अवैध हथियार सहित काबू आ सकता है। सूचना पर टीम द्वारा नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी, चेकिंग के दौरान एक शख्स को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम अभिषेक उपरोक्त बतलाया। जिसकी तलाशी लेने पर एक देशी पिस्टल बरामद हुआ।

न्यूज फ्लैश

फ्लिपकार्ट के सेलर कॉन्क्लेव का आयोजन किया

फरीदाबाद। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने देशभर में स्थानीय उद्यमियों को ऊपर उठाने एवं उन्हें सशक्त करने के प्रयास के तहत दिल्ली में प्रभावशाली सेलर कॉन्क्लेव (विक्रेता सम्मेलन) का

आयोजन किया। इस कॉन्क्लेव के दौरान दिल्ली में 1500 से ज्यादा सेलर्स (फ्लिपकार्ट विक्रेताओं) ने हिस्सा लिया और मार्केट डायनामिक्स, ग्राहकों की प्राथमिकताओं एवं रणनीतिक विकास के अवसरों को लेकर अपनी समझ को बढ़ाने के लिए जानकारियों से भरपूर सत्रों में हिस्सा लिया। यह कॉन्क्लेव कारोबारियों को तेजी से बदलती डिजिटल दुनिया को अपनाने, इसमें आगे बढ़ने एवं विकास करने में सक्षम बनाते हुए ऑनलाइन रिटेल को नया आकार दे रहा है। फ्लिपकार्ट के फ्लैगशिप सेल इवेंट द बिग बिलियन डेज (टीबीबीडी) का 11 संस्करण नजदीक आ रहा है और इससे ठीक पहले सेलर्स को आगामी त्योहारी सीजन के दौरान आगे बढ़ने को तैयार रहने के लिए एडवांस्ड टूल्स, कौशल एवं जानकारियों से लैस करने के उद्देश्य से इस सेलर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव ने सार्थक संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान किया और ऐसे सहयोगी माहौल को बढ़ावा दिया, जिसमें विक्रेताओं और फ्लिपकार्ट दोनों के लिए समान रूप से विकास, सफलता एवं साझा समृद्धि सुनिश्चित हो। इस आयोजन के दौरान चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार, चीफ प्रोडक्ट एंड टेक्नोलॉजी ऑफिसर जयंद्रन वेणुगोपाल, फ्लिपकार्ट ऐड प्लेटफॉर्म के वाइस प्रेसिडेंट संदीप कारवा, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और सप्लाई चेन, कस्टमर एक्सपीरियंस एवं रीकॉमर्स हेड हेमंत बद्री और शॉप्सी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर प्रत्युष अग्रवाल समेत फ्लिपकार्ट के कई प्रमुख अधिकारी अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने त्योहारी सीजन के दौरान अपनी उपस्थिति को निखारने के लिए सेलर्स को ग्राहकों की मांग, खरीदारी के ट्रेंड्स एवं विभिन्न रणनीतियों के बारे में महत्वपूर्ण विचार साझा किए। आयोजन के दौरान इनोवेशन को लेकर फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता भी स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

फ्लू से बचाव का टीका लगवाकर करें अपने बच्चे के स्वास्थ्य की सुरक्षा: डॉ. संजय वजीर

गुरुग्राम। मॉनसून का मौसम जलती गर्मी से राहत तो देता है, लेकिन साथ ही कई तरह के इन्फ्लूएंजा को बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल भी दे देता है। इस मौसम में फ्लू के मामले बढ़ जाते हैं, क्योंकि नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव से फ्लू का कारण बनने वाले वायरस के संक्रमण को बढ़ावा मिलता है।इस साल मॉनसून बहुत अनियमित सा है और इस कारण फ्लू का संक्रमण और भी तेजी से बढ़ने की आशंका है। जो क्षेत्र सूखे जैसी स्थितियों और बढ़ते वायु प्रदूषण का सामना कर रहे हैं, वहां बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ सकता है, जिससे उन्हें फ्लू के संक्रमण का खतरा ज्यादा है। बच्चों में फ्लू के कारण न्यूमोनिया जैसी गंभीर परेशानियां होने का खतरा रहता है। साथ ही अगर बच्चे को अस्थमा हो, तो स्थिति बिगड़ने की आशंका रहती है। मदरहुड हॉस्पिटल, गुरुग्राम के मेडिकल डायरेक्टर (नियोनेटोलॉजी एंड पीडियाट्रिक्स) डॉ. संजय वजीर ने कहा, ह्यबच्चों को फ्लू और इसके कारण होने वाली परेशानियों से बचाने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण कदमों में से है। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे को हर साल फ्लू से बचाव के लिए 4-इन-1 टीका लगवाएं। मैं हर माता-पिता से दृढ़ता से कहना चाहूंगा कि अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए वार्षिक फ्लू टीकाकरण के बारे में अपने डॉक्टर से अवश्य परामर्श करें।

जेजेपी-एएसपी गठबंधन की दूसरी लिस्ट जारी, 12 उम्मीदवारों का ऐलान

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) गठबंधन ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। जेजेपी-एएसपी ने दूसरी सूची में 12 मजबूत उम्मीदवारों की घोषणा की, इनमें 10 सीटों पर जेजेपी और दो सीटों पर एएसपी ने प्रत्याशी उतारे है। सोमवार को जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला की स्वीकृति और एएसपी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद की सहमति के बाद गठबंधन ने यह लिस्ट जारी की। जेजेपी की तरफ से पंचकुला में सुशील गर्ग पार्षद, अंबाला कैंट में अवतार करधान सरपंच, पिहोवा में डॉ सुखविंदर कौर, कैथल में संदीप

ताल ठोकेंगे

पिहोवा उम्मीदवार डॉ सुखविंदर कौर वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उम्मीदवार प्रो. रणधीर चीका की धर्मपत्नी हैं

गढ़ी चुनाव लड़ेंगे। गन्नौर में अनिल त्यागी, सफीदों में सुशील बैरागी सरपंच, गढ़ी सांपला किलोई में एडवोकेट पंडित सुशीला देशवाल, पटौदी में अमरनाथ जेई, गुड़गांव में अशोक जांगड़ा और फिरोजपुर झिरका में जान मोहम्मद उम्मीदवार होंगे।

वहीं एएसपी की ओर से अंबाला सिटी में पारूल नागपाल और नीलोखेड़ी में कर्ण सिंह भुक्कल को चुनावी मैदान में उतारा है। इससे पहले जेजेपी-एएसपी ने प्रथम सूची में 19 उम्मीदवारों की घोषणा की थी। जेजेपी-एएसपी गठबंधन के घोषित उम्मीदवारों में पंचकूला प्रत्याशी सुशील गर्ग पंचकुला नगर निगम में मौजूदा पार्षद हैं और इनके बेटे भी निगम पार्षद रह चुके हैं। अंबाला कैंट प्रत्याशी गांव करधान निवासी अवतार पैक्स के चेयरमैन रह चुके हैं। पिहोवा उम्मीदवार डॉ सुखविंदर कौर वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उम्मीदवार प्रो. रणधीर चीका की धर्मपत्नी हैं और डीएवी कॉलेज पिहोवा में राजनीतिक विज्ञान की प्रोफेसर भी रह चुकी है। सुखविंदर कौर पार्षद भी रही है और फिलहाल एक शिक्षण एकेडमी चला रही है।

पहाड़ों में माइनिंग को लेकर ग्रामीणों की हुई बैठक

टीम एक्शन इंडिया
दिनेश नौताना

महेंद्रगढ़। गांव राजावास में स्थित अरावली की पहाड़ी पर सरकार द्वारा खनन शुरू किए जाने की खबर को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में ग्रामीणों ने फैसला लिया कि वो यहां खनन नहीं होने देंगे। अगर सरकार जबरदस्ती यहां खनन शुरू करवाएगी तो वो इसका विरोध करेंगे। जरूरत पड़ी तो एक बड़ा आंदोलन भी कर सकते हैं।

गांव राजावास के सरपंच मोहित ने बताया कि उनके गांव में माइनिंग शुरू होने जारी रही है। इससे पूरा गांव प्रदूषित हो जाएगा। माइनिंग शुरू हुई तो इसका विरोध करेंगे। हालांकि अभी पहाड़ी माइनिंग के लिए अलॉट नहीं हुई है लेकिन कुछ दिन बाद सरकार अलॉट किए जाने की संभावना है, तो इसलिए पूरा गांव पहले ही एकजुट हो गया है। उन्होंने बताया कि 2016-17 में माइनिंग अलॉट हुई थी। उस समय ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वो यहां माइनिंग बिल्कुल नहीं चलने देंगे। पीपल फॉर अरावली की संस्थापक नीलम ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर वह यहां आई है। अरावली को बचाना बहुत जरूरी है। इसके लिए उन्होंने सभी राजनीतिक पार्टियों को लेटर भी दिया गया है कि प्राकृतिक संसाधनों को बचाना बहुत जरूरी है। मकान या अन्य निर्माण कार्य के लिए सरकार कोई विकल्प निकालें ताकि इन धरोहरों को बचाया जा सके। वो अरावली को बचाने के लिए ग्रामीणों के साथ हैं। गांव पाली के सरपंच देशराज

बाबा खेमचंद दास जोहड़िया क्रिकेट कप प्रतियोगिता के चौथे दिन हुए अनेक मुकाबले

टीम एवशन इंडिया
दिनेश नौताना

महेंद्रगढ़। बाबा खेमचंद दास जोहड़िया क्रिकेट कप प्रतियोगिता में सोमवार को अनेक टीमों के बीच मैच खेले गए। खेलों की जानकारी देते हुए सुजान मालड़ा ने बताया कि प्रतियोगिता के चौथे दिन सिहार और सोहासड़ा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें सोहासड़ा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित पांच ओवर में तीन विकेट पर 61 रन बनाए। इस मैच में सिहार की टीम ने सोहासड़ा को हराया। झगड़ौली और मालड़ा की टीमों के बीच खेले गए, मैच में झगड़ौली ने मालड़ा की टीम को 9 विकेट से

हराया। गाहड़ा और हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच खेला गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित पांच ओवरों में 69 रन बनाए। जवाब में गाहड़ा की टीम ने 4.4 ओवर में छक्के के साथ 74 रन बनाकर मैच अपनी झोली में डाल लिया। सिहार और गाहड़ा की टीमों के बीच खेले गए मैच में सिहार की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंद्र की विस्फोटक बल्लेबाजी के बल पर निर्धारित छह ओवरों में छह विकेट पर 88 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इंद्र ने 21 गेंदों में आठ धुंआधार छक्कों और दो चौकों की सहायता से 64 रनों की अर्ध शतकीय पारी खेली। गाहड़ा की टीम की शुरूआत अच्छी नही रही और टीम केवल 43 रन ही बना सकी। सिहार की टीम ने यह मैच 45 रनों से जीता। सिहार के खिलाड़ी इंद्र को मैन ऑफ द मैच चुना गया। एक अन्य रोचक मुकाबला मिसरी और पाटौदा की टीमों के मध्य खेला गया। जिसमें मिसरी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित पांच ओवरों में छह विकेट पर 27 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाटौदा की टीम का स्कोर भी 27 रन बना और यह मैच टाई हो गया। इस प्रतियोगिता का यह पहला टाई मैच रहा। दोनों टीमों के बीच सुपर ओवर खेला गया। पाटौदा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित एक ओवर में एक विकेट पर 17 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मिसरी की टीम एक ओवर में एक विकेट पर तीन रन ही बना सकी। सुपर ओवर का यह मैच पाटौदा की टीम ने 14 रनों से जीत लिया। समाचार लिखे जाने तक पाटौदा और भड़ंगी की टीमों के बीच मैच खेला जा रहा था। भड़ंगी की टीम ने निर्धारित छह ओवरों में पांच विकेट पर 44 रन बनाए। जवाब में पाटौदा की टीम तीन ओवरों में एक विकेट पर 22 रन बना लिए थे।

टाटा सॉल्ट इम्यूनो देता है संतुलित पोषण को बढ़ावा: राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

मेवात। आज की दुनिया में, जहां तंदुरुस्ती और इम्यूनिटी प्रमुख प्राथमिकता बन चुके हैं, टाटा सॉल्ट इम्यूनो आयोडीन और ज़िंक जैसे जरूरी पोषक तत्वों को खाने में शामिल करने का आसान तरीका पेश करता है। जिंक एक आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व (माइक्रोन्यूट्रिएंट) है, जो कि प्रतिरक्षा प्रणाली (इम्यून सिस्टम्र) जो स्वास्थ्य प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत और तंदुरुस्त रखने में मदद करता है। । हमारे दैनिक आहार में जिंक को शामिल करना संतुलित पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। लेकिन साथ ही, इसके सेवन के आसान तौर-तरीकों का पता लगाना कई बार चुनौतीपूर्ण हो सकता है। टाटा सॉल्ट इम्यूनो में जिंक तथा आयोडीन दोनों का मेल समाया है, ताकि उपभोक्ता अपने नियमित आहार में आसानी से इन दोनों सूक्ष्म पोषक तत्वों को मिला सकें। पोषण का यह दोहरा फामूर्ला उन्हें अपनी दैनिक खानपान की आदतों में बदलाव लाए बगैर ही लाभ देता है, और घर-परिवारों के लिए यह आसानी से उपलब्ध होता है।
राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अवसर पर, टाटा सॉल्ट इम्यूनो इस आयोजन के संतुलित पोषण और सही आहार विकल्पों के महत्व के साथ संरेखित है। यह प्रोडक्ट याद दिलाता है कि छोटे और सोच-समझकर किए गए चुनाव भी महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं।
टाटा सॉल्ट इम्यूनो, वास्तव में, टाटा नमक द्वारा खाद्य नमक वर्ग में लगातार नवीनीकरण की दिशा में जारी प्रतिबद्धता का सूचक है। ब्रैंड काफी लंबे समय से भरोसे, क्वालिटी और तंदुरुस्ती का पर्याय है और भारतीय उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

ब्लैकमेल करने के वारदात में शामिल तीन महिलाएं गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: शहर थाना सोनीपत पुलिस ने आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करके करीब 46 हजार रुपये हड़पने की की वारदात में शामिल तीन महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित महिलाएं शहर की रहने वाली है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपितों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित महिलाओं से पूछताछ की जा रही है। बदरखा युपी हाल में सेक्टर-10 निवासी कृष्ण पाल ने गत 27 जुलाई को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह 17 जुलाई को मेरठ जा रहा था। उसे बहालगढ़ चौक पर दो महिलाएं मिली। उन्होंने उसे रूकने का ईशारा किया। एक महिला ने कहा कि उन्हें यूपी जाना है। एक महिला आगे की सीट व दूसरी महिला पीछे की सीट पर जाकर बैठ गई। फिर बातचीत होने लगी और मुझे सस्ता प्लॉट दिखाने के बहाने 2 जून 2024 को ककरोई रोड पर बुला लिया था। वह अपनी गाड़ी लेकर ककरोई रोड प्रीति नाम की महिला के पास आ गया। उसके पास वहीं औरत बैठी थी जो मुझे बहालगढ़ चौक पर मिली थी। जिसने अपना नाम प्रवेश बताया जो दोनो ने बातचीत के बाद हम तीनों ने वहां बैठकर चाय पी। फिर उनमें से प्रवेश कप रखने चली गई और प्रीति ने मकान के दरवाजे की कुंडी अन्दर से लगा दी। उसके बाद जबरदस्ती पकड़कर उसके कपड़े उतारकर नंगा कर दिया। उसके बाद एक महिला व दो लड़को को बुला लिया जो प्रीती व प्रवेश ने मुझसे दो लाख रुपये मांगे और कहा कि हमने तेरी वीडियो बना ली है।

दसवीं कक्षा के छात्र ने फंदे से लटककर दी जान

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: शहर थाना क्षेत्र के आर्य नगर में रहने वाले दसवीं कक्षा के छात्र ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों का आरोप है कि पैर फिसलने के चलते बेटे से बोर्ड पर बनी ड्रॉइंग मिट गई थी। जिसके बाद बेटे को शिक्षिका ने पीट दिया था। वहीं छात्र पर परिजनों को स्कूल में बुलाने का दबाव बना रही थी। इसी के चलते छात्र ने फंदा लगाया है। पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। छात्र के पास से सुसाइड नोट भी मिला है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। आर्य नगर निवासी राजीव ने पुलिस को बताया कि उनके पास दो बेटे थे। जिसमें बड़ा बेटा वंश (15) था व छोटा अंकुश है। बड़ा बेटा वंश प्रभुनगर स्थित निजी स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र था। वंश काफी सीधा व साधारण बच्चा था। वह शनिवार को स्कूल गया था। स्कूल में शिक्षिका ने उसकी पिटाई की थी। पिटाई के निशान उसके हाथ पर थे। स्कूल से आने बाद बेटे ने घर में बने कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखकर नीचे उतारा, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने रविवार को शव को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने राजीव के बयान पर शिक्षिका के खिलाफ बेटे को आत्महत्या के लिए विवश करने का मुकदमा दर्ज कराया है।

ड्राइंग मिटने पर पिटाई का आरोप

परिजनों का आरोप है कि स्कूल में बोर्ड पर कोई ड्रॉइंग बनाई बनाई गई थी। उनके बेटे का पैर फिसल गया था। जिससे ड्रॉइंग मिट गई थी। बच्चों ने इसकी जानकारी शिक्षिका को दी थी। जिसके चलते वंश की पिटाई गई की गई थी। आरोप है कि उसे डंडे से पीटा था।

अस्पताल में कार्रवाई के बाद शव लेने को लेकर परिजनों ने किया हंगामा

नागरिक अस्पताल में पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। जिस पर परिजन शिक्षिका की गिरफ्तारी के बाद ही शव लेने की बात पर अड़ गए। पुलिस ने उन्हें समझाया, लेकिन वह नहीं माने। जिस पर एसीपी राहुल देव ने ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत किया। उसके बाद ही परिजन शांत हुए।

नोटबुक में मिला सुसाइड नोट

पुलिस ने वंश की नोटबुक से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें उसने लिखा है कि 'आज मैं 7.09.24 को मरा हूं। मेरी प्यारी मां और मेरे प्यारे भाई मैं अब तुम्हारे बीच नहीं रहा।

ऑफिस में घुसकर हमला करने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया
पानीपत/(कमाल हुसैन)

थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने एम3एम कंपनी के आफिस में घुस तोड़फोड़ व सिक्योरिटी स्टाफ पर हमला करने मामले में फरार और दो आरोपियों को रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मंजीत निवासी दत्ता कॉलोनी व मंदीप उर्फ बंटी निवासी फरीदपुर के रूप में हुई। थाना पुराना औद्योगिक प्रभारी इंस्पेक्टर फुल कुमार ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मामले में पहले पकड़े जा चुके अपने तीन साथी आरोपी निरंजन, प्रिंस, लवप्रीत निवासी फरीदपुर व फरार अन्य कई साथी आरोपियों के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पुलिस ने आरोपी मंजीत के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त एक तलवार बरामद कर सोमवार को पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश

किया जहा से उन्हें न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया। मामलें में पहले गिरफ्तार हो चुके आरोपी निरंजन, प्रिंस व लवप्रीत के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त दो डंड व एक बाइक बरामद कर तीनों आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है।

यह है मामला

थाना पुराना औद्योगिक में विकास पुत्र रमेश निवासी बडदू मुगल भिवानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह पानीपत एम3एम कंपनी में सिक्योरिटी इचार्ज के पद पर तैनात है। 23 जुलाई का साय करीब 7 बजे उसके सिक्योरिटी ऑफिसर विरेंद्र ने उसे बताया कि प्रोजेक्ट आफिस पर तैनात गार्ड के साथ तीन युवक मारपीट कर फरार हो गए। मारपीट करने में निरंजन व उसके दो अन्य साथी थे। उसके बाद बीस से तीस युवक तलवार व लाठी डंडों से लैस होकर आए और आफिस में घुसकर सिक्योरिटी स्टाफ पर तलवार व लाठी डंडो से हमला कर दिया। हमले में निशु, अक्षय, सावेज, राजकुमार, राजू, सावन, व अन्य कई कर्मचारियों को चोट लगी। जिनको उपचार के लिए हस्पताल में भर्ती करवाया है। आरोपियों ने चोट मारने के बाद आफिस में तोड़फोड़ की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना पुराना औद्योगिक में विकास की शिकायत पर अभियोग दर्ज कर पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के प्रयास शुरू कर दिए थे।

पहलवान बजरंग को विदेशी नंबर से मिला धमकी भरा संदेश

टीम एक्शन इंडिया

सोनीपत: हाल ही में किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन बने बजरंग पूनिया को विदेशी नंबर से जान से मारने की धमकी मिली है। मामले की शिकायत बजरंग ने बहालगढ़ थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने इस संबंध में जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि अदालती कार्यवाही के बाद ही आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। गांव खुड्डन झज्जर हॉल एल्डिको सिटी सोनीपत निवासी बजरंग पूनिया ने पुलिस को भेजी शिकायत में लिखा है कि उन्हें शनिवार सुबह करीब सात बजे धमकी दी गई है। उनके व्हाट्सएप पर विदेशी नंबर से ऑडियो कॉल आई थी। उन्होंने रिसीव की तो कॉल करने वाले ने कहा कि उसने मैसेज भेजा है। उसे पढ़ लो। उन्होंने मैसेज देखा तो उसमें लिखा था कि ह्यबजरंग कांग्रेस के इस पद से इस्तीफा दे दो, अन्यथा यह तुम्हारे व तुम्हारे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा। चुनाव से पहले ही दिखा देंगे हम क्या चीज है। जहां शिकायत करनी है कर लेना हमारा कुछ नहीं होगा। यह हमारी पहली और आखिरी चेतावनी है। वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। इस मैसेज को इग्नोर मत करनाह्न। बजरंग ने शिकायत में लिखा है कि इसके बाद उस नंबर से दो बार कॉल भी आई, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं की। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत बहालगढ़ थाना पुलिस को दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दो दिन पहले ही कांग्रेस में आए

बजरंग पूनिया ने दो दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय पहलवान विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है। उन्हें कांग्रेस की सदस्यता लेते ही अखिल भारतीय किसान कांग्रेस में कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया है।

सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज अब मिनिमली इनवेसिव सर्जरी से संभव

भारत में सिर और गर्दन का कैंसर एक आम समस्या बनती जा रही है। इन समस्याओं में ओरल यानी कि मुंह के कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। अन्य देशों की तुलना में भारत में इस कैंसर का खतरा बहुत ज्यादा है। हालांकि, शुरुआती निदान के साथ इस कैंसर का इलाज संभव है, लेकिन दुर्भाग्य से वेस्टर्न दुनिया की तुलना में भारत में इस कैंसर का सरवाइवल रेट बहुत कम है।

ग्लोबोकैन 2018 की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश की 24 प्रतिशत आबादी सिर और गर्दन के कैंसर से पीड़ित है, और हर साल इस कैंसर के 2.75 लाख नए मामले रजिस्टर किए जाते हैं। आईसीएमआर की नेशनल कैंसर रेजिस्ट्री प्रोग्राम के डाटा के अनुसार, देश के तीन कैंसर मामलों में से एक बीआईएमएआरयू राज्यों (बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश) से संबंधित होता है। 2016 में, भारत में 14.5 लाख कैंसर के मामले दर्ज किए गए थे, जबकी 2017 में यह संख्या बढ़कर 15.17 लाख हो गई। इनमें से 5.75 लाख मामले बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के थे। चार बीआईएमएआरयू राज्यों में से एक यूपी में कैंसर के 2.5 लाख मामले देखे गए जो देश के किसी भी राज्य की तुलना में सबसे ज्यादा हैं। यूपी की बात करें तो इसका मुख्य कारण यह है कि, वहां के लोग पान मसाला और तंबाकू का सेवन बहुत ज्यादा करते हैं।

पहले का इलाज केवल कैंसर और बीमारी को ठीक करने के लिए किया जाता था, जिसके कारण मरीज को अन्य समस्याओं, जैसे टेढ़ा चेहरा, निशान, टेढ़-मेढ़े दांत, चेहरे के आकार में बदलाव, कंधों में झुकाव आदि से जूझना पड़ता था। टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ आज मिनमली इनवेसिव सर्जरी के जरिए सिर और कैंसर के चौथे चरण का इलाज भी संभव हो गया है, जिसके परिणाम भी अच्छे होते हैं। ऐसे कैंसरों के इलाज को बेहतर करने के लिए आज देश में ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी (टीओआरएस) भी उपलब्ध है। इस सर्जरी के परिणाम बेहतर होने के साथ ही मरीज का चेहरा भी खराब नहीं होता है और न ही कोई निशान रह जाते हैं। टीओआरएस के साथ मरीजों के सरवाइवल रेट में भी सुधार आया है।

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी- इलाज के लिए एक मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी एक नई तकनीक है, जो कैंसर की खतरनाक से खतरनाक सेल्स को भी हटा देता है। रोबोटिक हाथ, बिना कोई चीरा लगाए गर्दन की सभी कैंसर कोशिकाओं को हटा देता है। पहले जुबान के ज्यादा अंदर, यानी कि टॉन्सिल्स तक पहुंचना मुश्किल होता था, लेकिन आज टेक्नोलॉजी में प्रगति के साथ वहां तक पहुंचना भी संभव हो गया है। ये प्रक्रिया न सिर्फ कैंसर के मरीजों के लिए बल्कि सर्जनों के लिए भी एक वरदान साबित हुई है। सर्जरी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों को रोबोटिक सिस्टम से कंट्रोल किया जाता है, जिसकी मदद से छोटी से छोटी जगह तक भी आसानी से पहुंच कर इलाज किया जा सकता है। चीरा लगाने की जरूरत न होने के कारण न्यूरोवस्कुलर टिशूज को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है, जिससे मरीजों को निगलने में आसानी होती है और अस्पताल से डिस्चार्ज भी जल्दी कर दिया जाता है। सर्जरी के बाद मरीज की देखभाल का पूरा ख्याल रखा जाता है, जिससे उनमें ब्लीडिंग, इंफेक्शन या कोई और समस्या न हो सके।

टीओआरएस- एक एडवांस तकनीक

रोबोटिक सर्जरी होने के कारण कैंसर के इलाज में बदलाव हुए हैं। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया की मदद से अब ओपन सर्जरी की जरूरत नहीं पड़ती है। पहले इस प्रकार के कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन देर से निदान के कारण इलाज के परिणाम कुछ खास नहीं होते थे। दुर्भाग्य से, टीओआरएस से पहले सर्जरी पूरी तरह से इनवेसिव (सर्जरी के लिए बड़ा चीरा लगाना पड़ता था) हुआ करती थी। चीरे और काट-पीट के कारण रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के बाद भी मरीजों के चेहरों के आकार खराब हो जाते थे। लेकिन यह मिनिमली इनवेसिव प्रक्रिया 100 फीसदी सुरक्षित है।

भारत में टीओआरएस का भविष्य कैसा होगा?

ट्रांस-ओरल रोबोटिक सर्जरी का इस्तेमाल जुबान, मुंह, गला और सिर व गर्दन के कई अन्य स्थानों के कैंसर के इलाज के लिए किया जाता है। सर्जिकल उपकरणों में प्रगति के साथ, रोबोटिक टेक्नोलॉजी की मदद से सभी प्रकार के ट्यूमर तक पहुंचना संभव हो गया है।

टीओआरएस की मदद से सिर और गर्दन के कैंसर का इलाज करना बेहद आसान हो गया है, जिसमें न तो आवाज जाने का खतरा होता है और न ही निगलने में परेशानी होती है। इसके अलावा, इस एडवांस सर्जरी की मदद से मरीज जल्दी ठीक हो जाता है और उसके चेहरे पर कोई निशान भी नहीं रहते हैं। देश के कई डॉक्टर इस विकल्प को पसंद कर रहे हैं।

- डॉक्टर समीर कौल

टेस्टी अंगूर के आश्चर्यजनक फायदे

मीठे अंगूर के दाने न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी है। आपको हेल्दी रखने के साथ ही अंगूर आपकी त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। इंस्टेंट एनर्जी के लिए भी आप अंगूर का सेवन कर सकते हैं।

- ब्रेस्टफीट कराने वाली महिलाओं को रोजाना करीब 100 ग्राम अंगूर खाना चाहिए। इससे दूध बढ़ता है है।
- कब्ज की वजह से सिरदर्द, चक्कर जैसी समस्याएं हो रही हैं, तो इससे राहत के लिए रोजाना नियमित रूप से 25 ग्राम अंगूर का रस पीएं।
- एसिडिटी होने पर 25-25 ग्राम अंगूर और सौंफ को रातभर 250 मि ली। पानी में भिगोकर रखें। सुबह उसे मसलकर छान लें। फिर उसमें 10 ग्राम शक्कर मिलाकर पीएं। कुछ दिनों तक नियमित रूप से ऐसा करने से एसिडिटी से राहत मिलेगी।

- यदि आपको कमजोरी महसूस हो रही है, तो 25 ग्राम अंगूर खाएं और उसके बाद आधा लीटर दूध पीएं। इससे कमजोरी दूर होगी।
- पेशाब में गर्मी की समस्या होने पर 50 ग्राम काले अंगूर को रातभर ठंडे पानी में भिगोकर रखें। सुबह मसलकर छान लें। फिर इसमें थोड़ा-सा जीरा चूर्ण मिलाकर पीएं। इससे पेशाब की गर्मी दूर होगी।
- पत्थरी दूर करने में अंगूर फायदेमंद होता है। अंगूर के बीज को पीसकर चूर्ण बना लें। इसे फांककर ऊपर से एक ग्लास दूध पीएं। ऐसा करने से पथरी गलकर बाहर आ जाएगी।
- अंगूर में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को न केवल कैंसर से, बल्कि हार्ट डिसीज, नर्व डिसीज, अलइमर, वायरल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने की ताकत देते हैं।
- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फैट, सोडियम, फाइबर, विटामिन ए, सी, ई, के, कैल्शियम, कॉपर, मैग्नीशियम, मैंग्नीज, जिंक और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर में कैलोरी मात्रा बहुत कम होती है।
- शरीर के किसी भी हिस्से से खून निकलने पर एक ग्लास अंगूर के जूस में दो चम्मच शहद घोलकर पिलाने से खून की कमी दूर हो जाती है और खून बहना बंद हो जाता है।
- अंगूर में ग्लूकोज व विटामिन ए पर्याप्त मात्रा में होता है, इसलिए अंगूर खाने से भूख बढ़ती है और पाचन शक्ति ठीक रखती है। अंगूर आंखों, बालों व त्वचा को भी शाइनी बनाता है।
- अंगूर फोड़े-फुंसियों व पिंपल्स को सुखाने में मदद करता है। अंगूर के रस से गरारे करने से मुंह छालों से राहत मिलती है।

गुड़ और आटे का हलवा

सामग्री

- ¼ कप घी
- 1 कप आटा
- ½ कप गुड़
- इलाइची पाउडर
- 10-15 रेसे केसर
- बादाम
- काजू पिस्ता बारीक कटे हुए

विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें घी गरम करें अब पैन में आटा डालें और आटे को घी में खूब भूनें। जबतक आटा थोड़ा सुनहरा न हो जाए तब तक उसे भूनें। इससे आटा पैन में चिपकेगा नहीं। इसके बाद 2 कप पानी में कुछ देर के लिए गुड़ को भिगो दें। जब गुड़ पानी में पिघल जाए तो उस पानी को आटे में डालें। इसके बाद मिश्रण में इलाइची पाउडर, केसर डालें और उसे अच्छी तरह से मिक्स करें। इसे तब तक पकाएं जब तक यह मिश्रण थिक न हो जाए। अब हलवे को ड्राय फ्रूट्स से गार्निश करें और गरम-गरम खाने के लिए परोसें। आप इस हलवे को 3 से 4 दिन तक फ्रिज में रख कर प्रीहीट करके भी खा सकते हैं।

पनीर रैप

सामग्री

- नीर- 150 ग्राम
- ऑयल-1 बड़ा चम्मच
- प्याज- 1 छोटा
- हरी शिमला मिर्च- 1 मीडियम साइज
- लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- बीन स्प्राउट्स- 1/2 कप
- सलाद पत्ते- 4 बड़े
- नमक- स्वादानुसार
- Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग- 2 बड़े चम्मच
- वीबा मिंट मेयोनेज- 4 बड़े चम्मच

विधि

इस टेस्टी स्नैक रेसिपी को बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को दो स्ट्रिप्स, प्याज को लंबा-लंबा, शिमला मिर्च को पतली स्ट्रिप्स में काट लें। फिर कड़ाही में तेल गर्म करें। एक बार जब तेल पर्याप्त गर्म हो जाए, तो इसमें प्याज के स्लाइस डालें और आधे मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें हरी शिमला मिर्च, लाल मिर्च पाउडर, पनीर स्ट्रिप्स, नमक डालकर मीडियम आंच पर 2 मिनट के लिए सौते करें। अब इसमें बीन स्प्राउट्स मिलाएं और एक और मिनट के लिए फिर से सौते करें। पैन को गैस पर से उतार लें और एक तरफ रख दें। रैप तैयार करने के लिए, पनीर मिश्रण को 2 बराबर भागों में बांटे। वर्कटॉप पर रैप रखें और उसके ऊपर सलाद पत्ता रखें। फिर उस पर समान रूप से वीबा मिंट मेयोनेज का 1 टीस्पून लगाएं और फिर रैप के बीच में पर्याप्त मात्रा में पनीर मिश्रण रखें। फिर इसमें आधा चम्मच Veeba Vinaigrette ड्रेसिंग मिलाएं। आपका टेस्टी पनीर रैप तैयार है इसे गर्मा-गर्म परोसें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2582

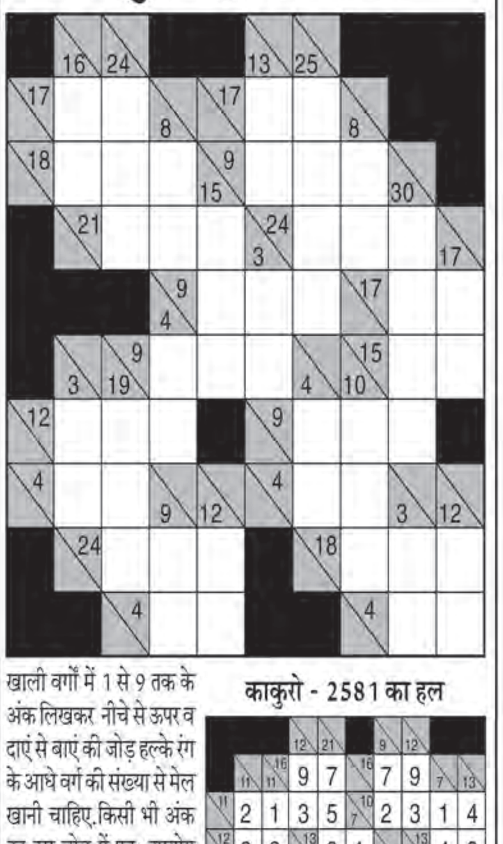

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

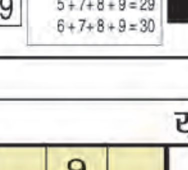

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2581 का हल

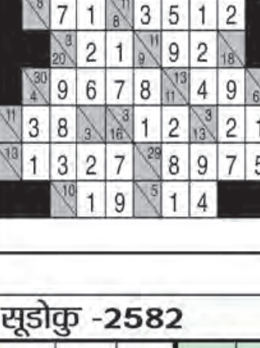

लॉफिंग ज़ोन

उन दोनों की नई-नई शादी हुई थी! पत्नी ने पहली बार खाना बनाया था. खाने में मिर्ची ज्यादा पड़ गई थीं. मगर पति ने पत्नी का दिल रखने के लिये खाने की तारीफ की. बोला - 'तुम बहुत अच्छा खाना बनाती हो !'

'मगर आपकी आंखों से तो पानी छलक रहा है.'

'यह पानी तो खुशी के कारण छलक रहा है.'

'तो थोड़ा और लीजिए न.'

'नहीं ! मैं अधिक खुशी बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगा !' पति ने आंखें पोंछते हुए कहा.

☺ ☺ ☺

दो मित्र अपनी पत्नियों पर आजमाये जाने वाले अपने-अपने नुस्खों का बखान कर रहे थे.

एक मित्र बोला- 'जब मैं अपनी पत्नी को बोर करना चाहता हूँ तब उसे बड़े -से-बड़े काम के लिये धन्यवाद देना बंद कर देता हूँ.'

इस पर दूसरे मित्र ने कहा- 'मेरा रास्ता अलग है. जब मैं अपनी पत्नी को बोर करना चाहता हूँ, तब पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी की तारीफ करना आरम्भ कर देता हूँ.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2582

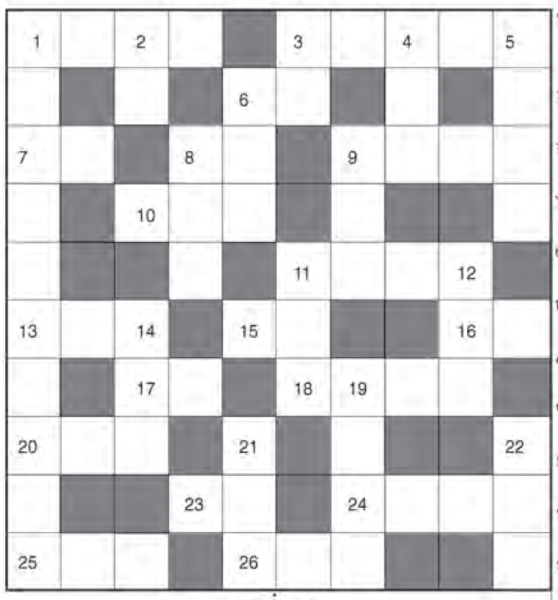

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना हैं' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारें' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी ?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया घारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2581

सूडोकु -2582

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2581 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 2582

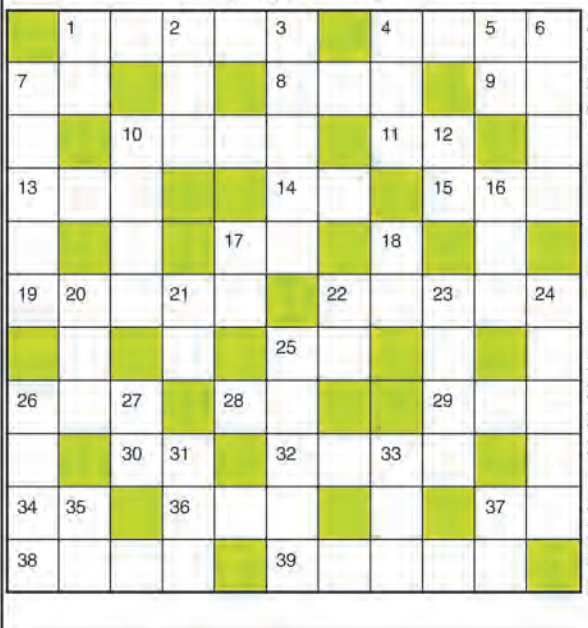

बाएँ से दाएँ

1.आरोपित, तथाकथ्य-5
4.प्रलय, वज्रपात-4
7.परिमाण, माप-2
8.प्लेट,तश्तरी-3
9.भीगा हुआ-2
10.वेश्या, गणिका-4
11.ज्वालामुखी से निकला द्रव पर्दाथ-2
13.अपवित्र (उर्दू-3)
14.दान करने वाला-2
15.आंचल-3
17.पंख-2
19.चाहे जो भी हो -5
22.अनूठापन,विचित्रता-5
25.उम्मीद,आस-2
26.अनाशवान,अक्षय-3
28.सुनील शेट्टी की पहली फिल्म-2
29.बंदर, मर्कट-3
30.सम्मान, आदर-2
32.करामात,करिश्मा-4
34.नवीन,नव-2
36.नसीरुद्दीन और अर्चना पूरणसिंह की फिल्म-3
37.शारीरिक ऊंचाई-2
38.भाग्य,लक-4
39.रावण,दशानन-5

ऊपर से नीचे

1.तपस्या-2
2.कॉफी-3
3.तरफदारी करनेवाला-5
4.जन जाति, झुंड-3
5.वोट-2
6.बढ़ई,खाती-4
7.जो मुनासिब न हो-5
10.भाग्य (उर्दू-4)
12.प्रतिज्ञा,वचन-2
16.राजा,राजन-3
17.क्षण-2
18.संपूर्ण,देवी का एक नाम-2
20.रनिवास (उर्दू-3)
21.नुकसान,घाटा-2
22.रजनी, रात्रि-2
23.अनुपम,बेजोड़-4
24.जिसे घर में ही कैद किया गया हो-5
25.आतंक फैलानेवाला-5
26.धरोहर,थाती-4
27.लक्ष्मी-2
31.निगाह,दृष्टि-3
33.बैचेनी,परेशानी,संघर्ष-3
35.लद्दाख में पाया जानेवाला बैल जैसा एक जानवर-2
37.टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली -2581 का हल

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब

एजेंसी
नई दिल्ली। देश में आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमत पूर्ववत है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में जरूर उतार-चढ़ाव जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.88 डॉलर यानी 1.24 फीसदी की उछाल के साथ 71.94 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.86 डॉलर यानी 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ 68.53 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

नौकरी जॉबस्पीक ने अगस्त में एआई-एमएल, फार्मा और एफएमसीजी सेक्टर ने चमक बिखेरी

नई दिल्ली। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स में की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में त्वरित उपभोग, इस वर्ष अगस्त के दूसरे पखवाड़े में त्यौहारी छुट्टियों के चलते देश के नौकरी बाजार में पिछले साल इसी माह की तुलना में हल्की नरमी दिखी। सूचकांक में नरमी के बावजूद एआई, त्वरित उपभोक्ता सामग्री कारोबार (एफएमसीजी) और फार्मा तथा गैस/बिजली जैसे क्षेत्रों में भर्तियों का रुझान मजबूत बना हुआ है। नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स अगस्त 2024 पिछले साल इसी माह की तुलना में तीन फीसदी की गिरावट के साथ 2576 अंक पर रहा। नौकरी जॉब इंडेक्स देश में व्हाइट कॉलर हायरिंग गतिविधियों का प्रमुख संकेतक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त महीने के पहले 15 दिनों में नौकरी बाजार का प्रदर्शन स्थिर रहा है, लेकिन बाद के दिनों में कई छुट्टियों ने समग्र सूचकांक को प्रभावित किया। स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और रक्षा बंधन जैसी प्रमुख छुट्टियां सप्ताह के दिन में रही, जिसकी वजह से सप्ताहांत (वीकेंड) में विस्तार हुआ और इस वजह से भर्ती गतिविधियों में आई कमी की वजह से अगस्त के दूसरे हिस्से में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। नौकरीडॉटकॉम के प्रमुख बिजनेस ऑफिसर पवन गोयल ने कहा, 'अगस्त में नियुक्ति दो अलग-अलग हिस्सों की कहानी है। जहां महीने की पहली छमाही में सामान्य पैटर्न दिखा, वहीं दूसरी छमाही में लम्बी छुट्टियों का प्रभाव पड़ा। फिर भी, एआई-एमएल, एफएमसीजी और फार्मा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि जारी है, जो हमें नौकरी बाजार के बारे में चिंता न करने का वाजिब कारण देती है।

नाबालिग को नहीं मिलेगा पीपीएफ का ब्याज

नई दिल्ली। डाकघर की छोटी बचत योजनाओं के तहत संचालित पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) के नियमों में एक अक्टूबर, 2024 से तीन बड़े बदलाव होने वाले हैं। वित्त मंत्रालय के तहत काम करने वाले आर्थिक मामलों के विभाग ने इसे लेकर सर्कुलर जारी किया है। बदलावों का मकसद इस योजना के तहत नाबालिग से लेकर एनआरआई तक के अलग-अलग अनियमित खातों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित और विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) और अन्य छोटी बचत योजनाओं को लेकर भी नए नियम जारी किए गए हैं। नाबालिग के नाम पर खोले गए पीपीएफ खाते के मामले में उसके 18 साल का होने तक पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट (पीओएसए) के बराबर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। ऐसे खातों पर पीपीएफ का ब्याज तभी मिलेगा, जब नाबालिग खाता खोलने के लिए पात्र हो जाएगा यानी 18 साल का हो जाएगा। उसके बाद लागू दर पर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। ऐसे खातों के लिए मैच्योरिटी अवधि की गणना उस तारीख से होगी, जिस दिन नाबालिग वयस्क हो जाएगा। इस समय पीपीएफ पर 7.1 फीसदी ब्याज मिलता है।

भारत का पावर सेक्टर 2030 तक दोगुना बढ़कर 280 अरब डॉलर का होगा

नई दिल्ली। भारत के ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन सेक्टर में आने वाले दिनों में जबरदस्त विकास देखने को मिलेगा और यह साल 2030 तक बढ़कर 280 अरब डॉलर का हो सकता है। अमेरिकी फर्म जेफ्रीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में ये दावा किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जैसे-जैसे विकास दर बढ़ रही है, वैसे ही ऊर्जा की खपत भी बढ़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का ऊर्जा उत्पादन और ट्रांसमिशन सेक्टर वित्तीय वर्ष 2017-23 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024 से 2030 तक बढ़कर दोगुना यानी कि करीब 280 अरब डॉलर का हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए ऊर्जा की जरूरत होगी, ऐसे में ऊर्जा खपत भी 7 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ेगी। भारत का कुल ऊर्जा उत्पादन 2024 के 442 गीगावाट से बढ़कर 2030 तक 673 गीगावाट तक पहुंच सकता है। भारत के थर्मल पावर प्लांट्स में भी निवेश बढ़ेगा और ग्रिड की स्थिरता को बनाए रखने में इन थर्मल पावर प्लांट्स की अहम भूमिका होगी। जेफ्रीज की रिपोर्ट में भारत के रक्षा क्षेत्र में भी जबरदस्त विकास होने की उम्मीद जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की रक्षा कंपनियां 14 प्रतिशत की वार्षिक दर से तरक्की कर सकती हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सप्ताह के पहले दिन ही गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये से लेकर 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,940 रुपये से लेकर 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत 84,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 683.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

एजेंसी
मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार और विशेष आहरण

अधिकार (एसडीआर) में इजाफा होने से 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.3 अरब डॉलर बढ़कर 683.98 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.02 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 681.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 30 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.5 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 599.03 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 86.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 61.9 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 90 लाख डॉलर का इजाफा हुआ और यह बढ़कर 18.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 5.8 करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 4.6 अरब डॉलर रह गया।

शेयर बाजार को लेकर निवेशकों में बढ़ा रुझान, देश में डीमैट अकाउंट की संख्या 17 करोड़ के पार पहुंची

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होने का संकेत देश में लगातार बढ़ रहे डीमैट अकाउंट की संख्या से मिलता है। अगस्त महीने में देश में कुल डीमैट अकाउंट की संख्या पहली बार 17 करोड़ के आंकड़े के पार पहुंच गई। अगस्त में देश में 42.30 लाख डीमैट अकाउंट खोले गए। इस तरह देश में अभी तक खोले गए डीमैट अकाउंट की कुल संख्या 17.11 करोड़ हो गई है। डिपॉजिटरी द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक अगस्त के पहले जुलाई के महीने में 44.44 लाख डीमैट अकाउंट खुले थे। इस तरह मासिक आधार पर नए खुलने वाले डीमैट अकाउंट की संख्या में अगस्त के महीने के दौरान 2.14 लाख की कमी जरूर आई लेकिन सालाना आधार पर इसमें 11.30 लाख की बढ़ोतरी हुई है। इसके पहले अगस्त 2023 में 31 लाख में डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस साल जून महीने में ही देश में डीमैट अकाउंट की संख्या बढ़ कर 16 करोड़ हो गई थी। इसके दो महीने बाद ही अगस्त के महीने में इस संख्या में एक करोड़ की बढ़ोतरी हो गई। जनवरी 2023 से लेकर अगस्त …

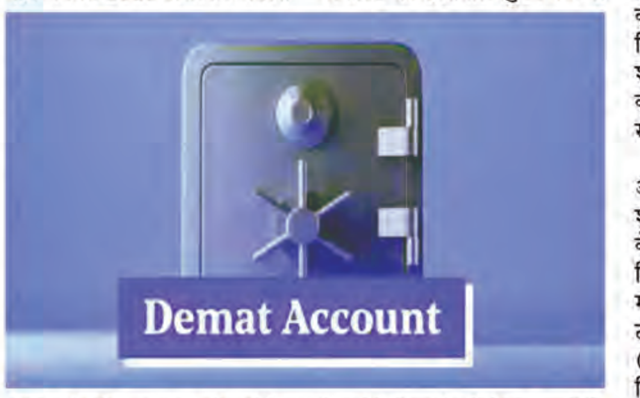

2024 के बीच 6.28 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इनमें साल 2024 में जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 3.18 करोड़ नए डीमैट अकाउंट खोले गए हैं। इसके पहले साल 2023 में जनवरी से दिसंबर तक कुल 3.10 करोड़ डीमैट अकाउंट खोले गए थे। इस तरह इस साल 8 महीने की अवधि में ही नए डीमैट अकाउंट खुलने का आंकड़ा 2023 के आंकड़े से आगे निकल गया है। उल्लेखनीय है कि डीमैट अकाउंट का इस्तेमाल मुख्य रूप से सिक्योरिटी मार्केट में ट्रेडिंग करने के लिए किया जाता है। इस अकाउंट में शेयर के साथ ही म्युचुअल फंड, बॉन्ड और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड जैसे सिक्योरिटीज को डिजिटल फॉर्म में रखा जाता है। शेयरों की खरीद बिक्री के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी होता है।

देश की टॉप 10 कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में गिरावट, रिलायंस देश की मोस्ट वैल्यूड कंपनी

एजेंसी
नई दिल्ली। सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 8 के मार्केट कैप में कुल 2.01 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। हालांकि टॉप 10 में शामिल दो कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 17,915 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी भी हुई।

एक्सचेंज की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक सोमवार से शुक्रवार के बीच के कारोबारी सप्ताह के दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ, जबकि मार्केट कैप में गिरावट के मामले में टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) दूसरे स्थान पर रही। पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 60,824.68 करोड़ रुपये घट कर 19,82,282.42 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 34,136.66 करोड़ रुपये घट कर 16,12,762.51 करोड़ रुपये रह गया।

इन दोनों कंपनियों के अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 29,495.84 करोड़ रुपये घट कर 6,98,440.13 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह भारती एयरटेल का मार्केट कैप

28,379.54 करोड़ रुपये की कमी के साथ 8,76,207.58 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप में गिरावट के मामले में इंफोसिस पांचवें स्थान पर रही, जिसका मार्केट कैप 17,061.44 करोड़ रुपये कम होकर 7,89,819.06 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 16,381.74 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,57,009.14 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया?। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 15,169.76 करोड़ रुपये घट कर 8,51,204.65 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईटीसी का मार्केट कैप 250.11 करोड़ रुपये घट कर 6,27,337.65 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इन 8 कंपनियों के अलावा टॉप 10 में शामिल दो अन्य कंपनियों हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान कुल मिला कर 17,915.13 करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 14,179.78 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 6,66,919.73 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 3,735.35 करोड़ रुपये बढ़ कर 12,47,941.78 करोड़ रुपये हो गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 19,82,282.42 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

पहले सप्ताह के कारोबार ने सितंबर के अंजाम को लेकर डराया, शेयर बाजार में गिरावट का रुख

एजेंसी
नई दिल्ली। सितंबर के पहले कारोबारी सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार के प्रदर्शन ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि पिछले 10 साल के ट्रेंड के मुताबिक एक बार फिर सितंबर का महीना निवेशकों के लिए नुकसान वाला महीना साबित हो सकता है। इसके पहले 2014 से लेकर अभी तक 7 बार सितंबर का महीना निगेटिव रिटर्न दे चुका है। सितंबर के पहले सप्ताह के दौरान सोमवार से शुक्रवार के बीच सेंसेक्स 1,540 अंक से अधिक गिर चुका है। इसी तरह निफ्टी में भी 5 दिन के कारोबार के दौरान 415 अंक से अधिक की गिरावट आ चुकी है। पिछले सप्ताह के ट्रेंड की वजह से निवेशकों को लगने लगा है इस बार भी सितंबर का महीना मंदड़ियों को फायदा पहुंचाने वाला महीना बन सकता है। पिछले 10 सालों के ट्रेंड को अगर देखा जाए तो 2014 से अब तक शेयर बाजार को सितंबर के महीने में सात बार नुकसान का सामना करना पड़ा है। हालांकि इन 10 सालों में 2019, 2021 और 2023 में सितंबर के महीने के दौरान शेयर बाजार तेजड़ियों के लिए मददगार रहा है। यानी इन तीन सालों में शेयर बाजार ने निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न दिया है, जबकि 2014 से लेकर लगातार 2018 तक और उसके बाद 2020 तथा 2022 के सितंबर में शेयर बाजार में नेगेटिव रिटर्न दिया। इन 7 सालों में सितंबर का महीना मंदड़ियों के लिए मुफीद बना रहा और निवेशकों को औसतन 0.74 प्रतिशत नुकसान का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर 2019 में शेयर बाजार ने 3.6 प्रतिशत, 2021 में 2.7 प्रतिशत और 2023 में शेयर बाजार ने 1.5 प्रतिशत का मुनाफादायक रिटर्न दिया। मार्केट एक्सपर्ट्स घरेलू शेयर बाजार में मामूली करेक्शन का अनुमान जता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि शेयर बाजार लगातार 12 कारोबारी सत्रों में मजबूत होता रहा है। इसलिए आने वाले कुछ सत्रों में बाजार में मुनाफा वसूली जारी रह सकती है। बग्गा सिक्योरिटीज एंड इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के सीईओ नरेंद्र बग्गा के अनुसार इस महीने के कारोबार पर अमेरिकी बाजार की चाल का काफी असर पड़ेगा। वहीं अमेरिकी बाजार की चाल को सबसे अधिक अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों पर लिया जाने वाला फैसला प्रभावित करेगा। इसके साथ ही रोजगार के आंकड़े से भी अमेरिकी बाजार की चाल पर असर पड़ेगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 18 सितंबर को ब्याज दरों के संबंध में अपने फैसले का ऐलान करने वाला है लेकिन रोजगार के आंकड़े उसके पहले ही बाजार के साथ ही वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों पर अपना असर डाल चुके होंगे। इसीलिए इस महीने के दूसरे सप्ताह के दौरान बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ नजर आ सकता है या बाजार में मामूली नरमी भी आ सकती है।

सोया रिफाइंड सस्ता; गेहूं महंगा, दालों में मुलजुला रुख

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में सोया रिफाइंड सस्ता हो गया जबकि आवक घटने से गेहूं के भाव चढ़ गए जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा। तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा सप्ताहांत पर 90 रिंगिट लुढ़ककर 3986 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह सितंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.35 सेंट की गिरावट लेकर 41.02 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर सोया रिफाइंड में 110 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सप्ताह के स्तर पर टिके रहे। सप्ताहांत पर सरसों तेल 13113 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19413 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12380 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 11904 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 8666 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 11066 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश, लगातार चौथे महीने इजाफा

एजेंसी
नयी दिल्ली। अगस्त के महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। इस दौरान गोल्ड ईटीएफ में 29 टन का अतिरिक्त निवेश हुआ है। इस अतिरिक्त निवेश की वजह से अगस्त के महीने में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग बढ़ कर 3,182 टन हो गई है। ये लगातार चौथा महीना है, जब निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ में अपना निवेश बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थ अमेरिका और यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश सबसे अधिक बढ़ा है। इसमें निवेश बढ़ने की वजह से इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। सोना लगातार तीसरे हफ्ते 2,500 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के सर्राफा बाजारों में भी सोना 73

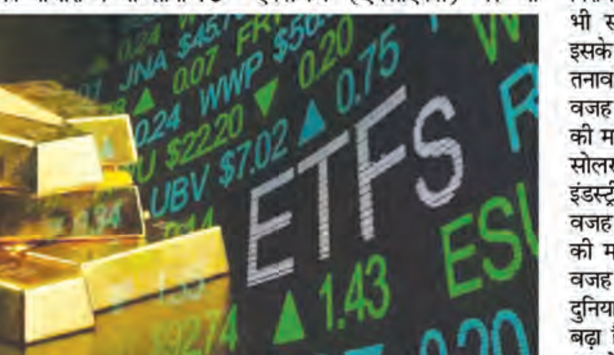

हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

सोने की तरह ही चांदी में भी लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले सप्ताह चांदी 29 डॉलर के स्तर को पार कर गया। चांदी के भाव में आई तेजी के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने के भाव में तेजी बनी हुई है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर चांदी का भाव करीब 4 प्रतिशत तक चढ़ गया।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट भी है। गिरते डॉलर के कारण भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और यूक्रेन-रूस जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आई है?। इसी तरह सोलर इंडस्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री के कारोबार में तेजी आने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग में भी बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से गोल्ड ईटीएफ के प्रति दुनिया भर के निवेशकों का रुझान बढ़ा है। मयंक मोहन के मुताबिक अगले सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर फैसला करने वाला है। ब्याज दरों के संबंध में फैसला आने के बाद इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट की चाल में भी बदलाव आ सकता है, जिसका असर गोल्ड ईटीएफ में होने वाले निवेश पर भी पड़ेगा।

अडानी ने पिछले साल के मुकाबले 15 रुपए किलो गिराए सेब के दाम, खरीद शुरू

एजेंसी
शिमला। हिमाचल में सेब खरीद करने वाली सबसे बड़ी कंपनी अडानी एग्रो फ्रेश लिमिटेड ने बीते सालों के मुकाबले इस सीजन के लिए सेब खरीद के दाम रिकार्ड 15 रुपए किलो तक गिरा दिए हैं। साल 2023 में कंपनी ने सेब खरीद के दाम 95 रुपए किलो घोषित किए थे, लेकिन इस बार टॉप क्वालिटी सेब महज 80 रुपए किलो खरीदा जा रहा है। कंपनी की मनमानी से प्रदेश के बागवानों में रोष है। मंडियों में इन दिनों बढ़िया किस्म के सेब का औसत रेट 120 से 140 रुपए किलो चल रहा है।अडानी कंपनी ने इस साल सेब खरीद करीब 15 दिन देरी से शुरू की है। आमतौर पर सबसे पहले अडानी कंपनी सेब के रेट घोषित करती थी, अन्य निजी कंपनियां अदाणी के बाद रेट तय करती थीं। इस बार देवभूमि कोल्ड चेन के बाद अडानी ने सेब खरीद शुरू की और बागवानों को सेब के रेट भी देवभूमि कंपनी के बराबर ही दिए जा रहे हैं। हर साल अडानी कंपनी रेट घोषित करने के बाद व्यापक प्रचार प्रसार करती थी, खरीद केंद्रों पर बड़े बड़े बैनर लगाकर रेट प्रदर्शित किए जाते थे और सोशल मीडिया पर भी खूब प्रचार प्रसार होता था। इस बार कंपनी ने बिना किसी पूर्व सूचना के सेब खरीद शुरू कर दी है।

अगले हफ्ते शेयर बाजार की बढ़ी रहेगी हलचल, लॉन्च होंगे 13 नए आईपीओ, 8 शेयरों की होगी लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली। शुरू होने वाले महीने के दूसरे कारोबारी सप्ताह में प्राइमरी मार्केट में जोरदार हलचल बनी रहने वाली है। इस सप्ताह 13 नए आईपीओ दस्तक देने वाले हैं। इनमें से 4 आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं। इसके साथ ही अगले सप्ताह 8 कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग भी होने वाली है। शेयर बाजार में लिस्ट होने जा रही कंपनियों में से 2 कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं। यानी इनकी लिस्टिंग बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगहों पर होगी।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही प्राइमरी मार्केट में 7 आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। सोमवार को जो नए आईपीओ प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाले हैं, उनमें बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ भी शामिल है, जिसका शेयर बाजार में लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस का आईपीओ 9 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने के बाद 11 सितंबर को क्लोज होगा। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 6,560 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। आईपीओ के तहत 66 से 70 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है जबकि एप्लीकेशन के लिए लॉट साइज 214 शेयर का है। कंपनी के शेयर 16 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

इसी तरह ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनी क्रॉस का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 9 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के बाद 11 सितंबर को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत शेयर का प्राइस बैंड 228 रुपये से 240 रुपये तय किया गया है, जबकि एप्लीकेशन के लिए लॉट साइज 62 शेयर का है। क्रॉस कंपनी के शेयर भी बॉम्बे

स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 16 सितंबर को लिस्ट होंगे। मेनबोर्ड सेगमेंट में ही टायर निर्माता कंपनी टोलिंस टायर्स का 230 करोड़ रुपये साइज वाला आईपीओ भी सब्सक्रिप्शन के लिए 9 सितंबर को खुलने के बाद 11 सितंबर को बंद होगा। आईपीओ के तहत इस शेयर का प्राइस बैंड 215 रुपये से 226 रुपये तय किया गया है, जबकि एप्लीकेशन के लिए इसका लॉट साइज 66 शेयर का है। टोलिंस टायर्स के शेयर भी 16 सितंबर को ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा 9 सितंबर को ही गजानंद इंटरनेशनल का 20.65 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इसके अलावा शुभ श्री बायोफ्यूल्स एनर्जी का 16.56 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 9 सितंबर से 11 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। वहीं आदित्या अल्ट्रा स्टील का 45.88 करोड़ रुपये का आईपीओ भी 9 सितंबर को ओपन होने के बाद 11 सितंबर को क्लोज होगा। इन तीनों कंपनियों के शेयर की 16 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी।

इसके अलावा निवेशकों को निवेश संबंधी सर्विस देने वाली कंपनी शेयर समाधान का आईपीओ भी 9 सितंबर से 11 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। आईपीओ के तहत इस शेयर का प्राइस बैंड 70 से लेकर 74 रुपये के बीच तय किया गया है, जबकि एप्लीकेशन के लिए इसका लॉट साइज 1,600 शेयर का है। कंपनी के शेयर 16 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 10 सितंबर को ट्रैफिक सोल आईटीएस टेक्नोलॉजी, एसपीपी पॉलीमर्स और पीएन गाडगिल ज्वेलर्स के आईपीओ प्राइमरी मार्केट में दस्तक देंगे। पीएन गाडगिल ज्वेलर्स का 1,100 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 सितंबर को खुल कर 12 सितंबर को बंद होगा? आईपीओ के तहत इस शेयर का प्राइस बैंड 456 रुपये से लेकर 480 रुपये तय किया गया है, जबकि एप्लीकेशन के लिए लॉट साइज 31 शेयर का है।

इसके अलावा ट्रैफिक सोल आईटीएस टेक्नोलॉजी का 44.87 करोड़ रुपये साइज वाला आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 12 सितंबर तक खुला रहेगा। आईपीओ के तहत शेयर का प्राइस बैंड 66 से 70 रुपये तय किया गया है, जबकि एप्लीकेशन के लिए लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इसी तरह एसपीपी पॉलीमर्स का 24.49 करोड़ रुपये साइज वाला आईपीओ 10 से 12 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। इस शेयर की लिस्टिंग 17 सितंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर होगी।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 11 सितंबर को भी दो कंपनियों के शेयर प्राइमरी मार्केट में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इनमें इन्नोमेट एडवांस्ड मैटेरियल्स का 34.24 करोड़ रुपये का इशू और एक्सीलेंट वायर्स एंड पैकेजिंग का 12.60 करोड़ रुपये का इशू 13 सितंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रहेंगे।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 10 सितंबर 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

यूपी ने विकास के नए युग में किया प्रवेश: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से किया शिलान्यास

निवेश

▸▸ संभावनाओं का लाभ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में: सीएम योगी आदित्यनाथ

टीम एक्शन इंडिया

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है। आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेटिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार

सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परंपरागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है।

यूपी में संभावनाओं का लाभ भारत व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में

भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा उत्तर प्रदेश: सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है, जो वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है।

सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी और प्रतिभावान युवा आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। विगत साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर घटी है। 27 अलग-अलग सेक्टर की सेक्टोरियल पॉलिसी के साथ उत्तर प्रदेश भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी का क्षेत्र इस वर्ष के अंत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं के साथ ही भारत के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ जुड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लॉजिस्टिक की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन इसी क्षेत्र के गौतमबुद्धनगर जनपद में पड़ेगा। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है, इसकी संभावनाओं का लाभ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है।

मुख्य सचिव मनोज सिंह, आईकिया इंडिया के सीईओ सुजैन पुल्वरर आदि मौजूद रहे।

विक्टिम के पैरेंट्स को पैसे ऑफर नहीं किए: ममता बनर्जी

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि हमने मृतक ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता को कभी पैसा ऑफर नहीं किया। हमने सिर्फ उन्हें ये कहा था कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करवाना चाहते हैं, तो हमारी सरकार उनके साथ है। स्टेट सेक्रेट्रिएट नबन्ना में रिव्यू मीटिंग के दौरान ममता ने यह भी कहा कि विरोध प्रदर्शनों के चलते कोलकाता के कमिश्नर विनीत गोयल ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन हमें कोई चाहिए जो दुर्गा पूजा को लेकर कानून-व्यवस्था संभालना जानता हो। दरअसल, रेप विक्टिम ट्रेनी डॉक्टर के माता-पिता ने कोलकाता पुलिस पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेटी का शव सौंपते वक्त उन्हें पैसा ऑफर किया था और कहा था कि हमने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर दी है। वहीं, प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने पुलिस पर सबूतों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग की थी।

सफाई पेश की

▸▸ हमने सिर्फ उन्हें ये कहा था कि अगर वे अपनी बेटी की याद में कुछ करवाना चाहते हैं, तो सरकार उनके साथ है

ट्रेनी डॉक्टर के पिता का कोलकाता पुलिस पर 3 आरोप

पुलिस शुरूआत से ही इस केस को दबाने की कोशिश कर रही है। डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने तक हमें पुलिस स्टेशन में इंतजार करना पड़ा। बाद में, जब बेटी का शव हमें सौंपा गया तो एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने हमें पैसे देने की पेशकश की।

जब तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ, 300-400 पुलिस वालों ने हमें घेर रखा था, लेकिन अंतिम संस्कार हो जाने के बाद वहां एक भी पुलिस वाला नहीं दिखा। परिवार क्या करेगा, कैसे घर जाएगा, पुलिस ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली। जब घर में बेटी का शव माता-पिता के सामने पड़ा था और हम आंसू बहा रहे थे, तब पुलिस पैसे दे रही थी, क्या यही पुलिस की मानवता है? पुलिस कह रही थी कि उन्होंने अपनी सारी जिम्मेदारियाँ पूरी कर दी हैं, क्या इसे ही जिम्मेदारी निभाना कहते हैं?

मणिपुर में राज्यपाल के घर पर पथराव

20 लोग घायल, सुरक्षाकर्मी जान बचाकर भागे; स्टूडेंट्स इस्तीफे की मांग को लेकर कर रहे प्रदर्शन

टीम एक्शन इंडिया

इंफाल: मणिपुर में राज्यपाल और डीजीपी के इस्तीफे की मांग कर रहे स्टूडेंट्स का प्रदर्शन सोमवार को हिंसक हो गया। सैकड़ों की संख्या में छात्रों ने राजभवन के मुख्य दरवाजे पर पत्थर फेंके। इस दौरान मौजूद सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर वहां से भागते दिखे। इस हमले में 20 लोग जख्मी हुए हैं। राज्य में बढ़ती हिंसक घटनाओं और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर 8 सितंबर से ही छात्र सड़कों पर हैं। किशमपट के टिडिम रोड पर 3 किलोमीटर तक मार्च के बाद प्रदर्शनकारी राजभवन और सीएम हाउस तक पहुंच गए। पुलिस और सुरक्षाबलों ने उन्हें बैरिकेड लगाकर रोका। कई राउंड आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। उन्होंने कहा- ड्रोन हमलों को रोकने में सरकार और पुलिस विफल रही है। प्रदर्शनकारी राज्यपाल के अलावा डीजीपी, सुरक्षा सलाहकार और 50 विधायकों के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मणिपुर में मई 2023 से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है।

बीते 7 दिनों से हिंसा बढ़ गई है। इसमें 8 लोगों की मौत हुई है। 15 से ज्यादा घायल हैं। हाल ही में मणिपुर में ड्रोन से भी हमले हुए हैं। इनमें 2 लोगों की मौत हुई है।

हिंसा

▸▸ छात्रों ने राजभवन के मुख्य दरवाजे पर पत्थर फेंके, इस दौरान मौजूद सुरक्षाकर्मी अपनी जान बचाकर भागे

उत्तराखंड: जल व्यवस्था पर गोलमेज सम्मेलन

टीम एक्शन इंडिया

देहरादून: दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र की ओर से सोमवार को पुस्तकालय सभागार में उत्तराखंड की जल व्यवस्था पर गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने राज्य में घटते भू-जल भंडार और समग्र रूप से जल संसाधनों के कुप्रबंधन पर चिंता जताई। दून पुस्तकालय एवं शोध केंद्र के संस्थापक निदेशक रहे प्रोफेसर बीके जोशी ने राज्य के घटते जल संसाधनों पर एक सिंहावलोकन प्रदान किया। सेवानिवृत्त पीसीसीएफ एआर सिन्हा ने जलागम विकास और नदी के प्रवाह को बनाए रखने में जलस्रोतों और धाराओं की भूमिका पर अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने जल विज्ञान, जल को नियंत्रित करने में वृक्ष प्रजातियों और वनस्पति आवरण की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। टाटा ट्रस्ट के डॉ. विनोद कोठारी ने स्प्रिंगशेड प्रबंधन के बारे में ज्ञान और सीख साझा की। राज्य में जलस्रोत सूची तैयार करने के कार्य पर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने बताया कि राज्य में 90 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण आबादी पीने के पानी और अन्य जरूरतों के लिए जलस्रोतों पर निर्भर है। जलस्रोत को आजीविका के अवसरों से जोड़ना जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। राज्य योजना आयोग से जुड़े एचपी उनियाल ने जलस्रोत प्रबंधन पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि स्प्रिंग्स के हाइड्रोजियोलॉजी को समझने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। स्प्रिंगशेड प्रबंधन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रेट जैकेट दृष्टिकोण उत्तराखंड के विभिन्न स्प्रिंग टाइपोलॉजी और भू-वैज्ञानिक विविधता में काम नहीं कर सकते हैं।

घटता भू-जल

▸▸ विशेषज्ञों ने राज्य में घटते भू-जल भंडार और समग्र रूप से जल संसाधनों के कुप्रबंधन पर चिंता जताई

पीपुल्स पद्म पुरस्कार के लिए प्रेरक व्यक्तियों को नामित करें: मोदी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पद्म पुरस्कारों को पीपुल्स पद्म की संज्ञा देते हुए देशवासियों से 2025 के पद्म पुरस्कारों के लिए प्रेरक लोगों को नामित करने की अपील की है। नामांकन की अंतिम तिथि 15 सितंबर है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट में कहा कि पिछले एक दशक में हमने अनगिनत जमीनी स्तर के नायकों को पीपुल्स पद्म से सम्मानित किया है। पुरस्कार विजेताओं की जीवन यात्रा ने अनगिनत लोगों को प्रेरित किया है। उनका धैर्य और दृढ़ता उनके समृद्ध कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाने की भावना से, हमारी सरकार लोगों को विभिन्न पद्म पुरस्कारों के लिए दूसरों को नामांकित करने के लिए आमंत्रित कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने पद्म पुरस्कार वेबसाइट का लिंक भी पोस्ट किया, जहां लोग अपना नामांकन पोस्ट कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि कई नामांकन आए हैं। नामांकन की अंतिम तिथि इस महीने की 15 तारीख है। मैं अधिक से अधिक लोगों से पद्म पुरस्कारों के लिए प्रेरक व्यक्तित्वों को नामांकित करने का आग्रह करता हूं।

भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमत

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: भारत और जापान ने वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा जारी रखने पर सहमति जताई है। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि भारत-जापान वित्तीय सहयोग को और बढ़ावा देने तथा द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए चर्चा जारी रखने पर सहमत हुए है। दोनों देशों के बीच ये सहमति 6 सितंबर, 2024 को टोक्यो में आयोजित दूसरा भारत और जापान वित्त संवाद के दौरान बनी। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ ने किया, जबकि जापानी पक्ष की अगुवाई जापान के अंतरराष्ट्रीय मामलों के वित्त उप-मंत्री अत्सुशी मिमुरा ने की। जापानी प्रतिनिधिमंडल में वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा एजेंसी के प्रतिनिधि शामिल थे। वित्त मंत्रालय ने बताया कि जापान के टोक्यो में आयोजित दूसरे भारत-जापान वित्त संवाद में दोनों देशों ने वित्तीय संबंधों की मजबूती पर चर्चा की।

राहुल गांधी चीन के ब्रांड एम्बेसडर: बीजेपी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी ने टेक्सास में आरएसएस और देश में बेरोजगारी को लेकर कई बयान दिए हैं। राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला करते हुए उन्हें चीन का ब्रांड एम्बेसडर बताया। सोमवार को राहुल गांधी के बयान पर हमला बोलते हुए केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ट्वीट करके कहा कि वे भारत के बाहर जाकर देश को ही गाली दे रहे हैं, चीन की तारीफ कर रहे हैं। लगता है कि वे चीन के पैसों पर ही पल रहे हैं तभी वे बाहर जाकर चीन का प्रचार कर रहे हैं। अपने बुरे दौर में चाइना को ब्रांड एम्बेसडर की जरूरत नहीं है, क्योंकि राहुल गांधी उनके सबसे बड़े एम्बेसडर बन चुके हैं। ऐसे लोगों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाना चाहिए जो भारत के बाहर जाकर भारत की निंदा करते हैं और दुश्मन देशों की तारीफ करते हैं। राहुल गांधी की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आरएसएस के बारे में जानने के लिए राहुल गांधी को कई जन्म लेने पड़ेंगे।

निशाने पर

▸▸ भारत के बाहर जाकर देश को ही गाली दे रहे हैं, चीन की तारीफ कर रहे हैं: केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

रंगीन रोटी से मिल रहा आँगनवाड़ी के बच्चों को भरपूर पोषण

भोपाल। प्रायः यह देखा गया है कि छोटे बच्चों को सादी रोटी खिलाने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ती है, लेकिन यही रोटी अगर रंग-बिरंगी हो जाये, तो बच्चों की रूचि बढ़ जाती है। पोषण-युक्त आहार से बच्चों की सेहत में भी सुधार आता है। बच्चों को पोषण-युक्त आहार देने के उद्देश्य से सागर जिले में एक अभिनव पहल की गई है। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने 'रंगीन रोटी' कैम्पेन शुरू किया है।

खुलासा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के दिन भाजपा कार्यालय को उड़ाने की थी साजिश: एनआईए

भाजपा कार्यालय को उड़ाने की थी योजना: एनआईए

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: एनआईए ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। एजेंसी ने ब्लास्ट के पीछे आईएसआईएस के आतंकियों का हाथ होना बताया है। एनआईए ने अपनी चार्जशीट में मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ को आरोपी बनाया है। एनआईए ने चार्जशीट में बताया कि कैफे में शाजिब ने बॉम्ब प्लांट किए थे। इसमें अहमद ताहा ने भी उसकी मदद की थी। पूर्व में दोनों आईएसआईएस से भी जुड़े थे। दोनों आतंकी आईएसआईएस की विचारधारा फैलाने का काम करते थे और अन्य मुस्लिम युवाओं को भी इसमें जोड़ने की मुहिम चलाते थे। अन्य दो आरोपी माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ ऐसे ही युवा हैं, जो उनके बहकावे में आ गए थे।

भाजपा कार्यालय को उड़ाने की थी योजना

एनआईए ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया है कि रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट करने से पहले दोनों आतंकियों ने और भी कई हमले की योजना बनाई थी, लेकिन इसमें सफल नहीं हो पाए थे। एनआईए के अनुसार आतंकियों की 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन राज्य भाजपा कार्यालय में भी आईईडी ब्लास्ट को अंजाम देने की योजना थी।

इन जगहों पर भी ब्लास्ट की थी साजिश: एनआईए ने बताया कि आरोपी ताहा और शाजिब को उनके हैंडलर द्वारा क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से फाइनेंस किया गया था, जिसे उन्होंने विभिन्न टेलीग्राम आधारित पी2पी प्लेटफार्मों की मदद से फिएट में बदल दिया था। जांच में पता चला कि आरोपियों द्वारा इस धन का इस्तेमाल बेंगलुरु में हिंसा फैलाने के लिए किया गया था।